mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-125 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

08 मई 2025 गरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

डीसी के खिलाफ...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव पर ब्रिटेन ने की अपील, बातचीत से हल निकालें दोनों देश

ब्रिटेन (एजेंसी)। भारतीय सेना ने बुधवार की रात को पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगारों को सजा देते हुए पाकिस्तान में एयरस्ट्राइक की है जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया है। अब इस एयर स्ट्राइक पर ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी का बयान आया है। डेविड लैमी ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे में दोनों देशों को मिलकर कोई हल निकालना चाहिए। ब्रिटेन सरकार भारत और

पाकिस्तान से संयम बरतने और आगे बढ़ने के लिए एक त्वरित, कूटनीतिक रास्ता खोजने के लिए सीधी बातचीत करेंउन्होंने आगे कहा, मैंने भारत और पाकिस्तान को स्पष्ट कर दिया है कि अगर यह मामला और बढ़ता है, तो कोई भी देश जीत नहीं पाएगा। दोनों देशों को बातचीत कर ही हल निकालना होगा। डेविड लैमी ने कहा यू.के ने पिछले महीने पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले की निंदा की थी। उन्होंने आगे कहा, ÷इस क्षेत्र में ब्रिटिश नागरिकों की सुरक्षा हमेशा हमारी प्राथमिकता रहेगी। फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (स्नष्टष्ठह्र) घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखता है और किसी भी ब्रिटिश नागरिक को 24/7 सहायता देने के लिए तैयार है। इस क्षेत्र में किसी भी ब्रिटिश नागरिक को स्थानीय अधिकारियों की सलाह के साथ-साथ जिस देश में वे हैं, उसके लिए स्नष्टष्ठह्र की यात्रा सलाह का पालन करना चाहिए। बता दे, बुधवार की रात एक बजे भारतीय सेना की ओर से ऑपरेशन सिंदूर चलाया, गया. इस हमले में पाकिस्तान के कई बड़े आतंकी अड्डों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया।

केन्या में 2 लड़कों के पास से मिली हैं 5000 चींटियां

नैरोबी (एजेंसी)। केन्या में रह रहे बेल्जियम के 2 लड़कों के पास से 5,000 चींटियां बरामद की गई हैं। अब इन लड़कों पर वन्यजीव संरक्षण कानूनों का उल्लंघन करने के लिए 7,700 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। अदालत ने लड़कों को जुर्माना नहीं भरने पर 12 महीने जेल में रहने का विकल्प भी दिया है। वन्यजीव कानूनों के उल्लंघन पर 12 महीने की कैद अधिकतम सजा है। अधिकारियों ने बताया कि लड़कों के पास से चींटियां बरामद की गई और ऐसा माना जा रहा है

कि उनकी यूरोपीय और एशियाई बाजारों में तस्करी की जानी थी। केन्या वन्यजीव प्रजातियों की तस्करी आम बात हैं। बेल्जियम के रहने वाले लोर्नोय डेविड और सेप्पे लोडेविज्क्स को पांच अप्रैल को एक गेस्ट हाउस से गिरफ्तार किया गया था। इस दौरान इनके पास से चींटियां बरामद की गई थीं। दोनों लड़कों की उम्र 19 वर्ष है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों पर 15 अप्रैल को आरोप तय किए गए थे। केन्या वन्यजीव सेवा ने पूर्व में बताया था कि दोनों लड़के यूरोप और एशिया के बाजारों में चींटियों की तस्करी में शामिल थे। एजेंसी के मुताबिक, बरामद की गई इन चींटियों में 'मेसोर सेफेलोट्स' नाम की चींटी प्रजाति भी शामिल है, जो पूर्वी अफ्रीका में पाई जाने वाली एक विशिष्ट, बड़ी और लाल रंग की चींटी होती है।

ऑपरेशन सिंदूर: 'ये सिलसिला यहीं नहीं रुकना चाहिए...'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हुए स्ट्राइक पर बड़ी बात कही है। हिमांशी ने कहा कि ये सिलसिला यहीं नहीं रुकना चाहिए...सभी टेररिस्ट को एक एक कर खत्म कर देना चाहिए। हिमांशी ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के इस नाम को मैं खुद से कनेक्ट करती हूं। मोदी जी ने 26 लोगों की बेरहमी से हत्या का करारा जवाब दिया है। सारे आतंकी और इसके साथ ही आतंक को पूरी तरह खत्म करना होगा। ये कार्रवाई यहीं नहीं रुकनी चाहिए। सभी टेररिस्ट खत्म होने चाहिए, मैंने अपने सुहाग खोया है। ऑपरेशन सिंदूर को मैं खुद से कनेक्ट करती हूं। मोदी जी ने 26 लोगों की बेरहमी से हत्या का जवाब दिया है और इसके लिए पीएम मोदी जी को मैं धन्यवाद देती हूं।

हमले से बचने के लिए लोगों को निकाला गया बाहर

दिल्ली में मॉक ड्रिल, 55 जगहों पर बजे सायरन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान से पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया है। दोनों देशों के तनाव के बीच आज मॉक ड्रिल की जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कई लोकेशन में आज शाम मॉक ड्रिल की गई। दिल्ली में मॉक ड्रिल के बाद ब्लैकआउट भी किया जाएगा। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। गृह मंत्रालय ने आज देशभर में मॉक ड्रिल का आदेश दिया है।

सायरन की आवाज सुन घरों से भागे लोग बुधवार को 55 स्थानों पर सुरक्षा 'मॉक ड्रिल' (सुरक्षा अभ्यास) की गई और इस दौरान तेज आवाज में बजते सायरन, सुरक्षित स्थानों की ओर भागते लोग, स्ट्रेचर पर घायल लोगों को ले जाये जाने जैसे कुछ दृश्य दिखे। राष्ट्रव्यापी %ऑपरेशन अभ्यास% के तहत हवाई हमलों, एक साथ कई स्थानों पर आग लगने की घटनाओं और खोज व बचाव अभियान जैसे विभिन्न परिदृश्यों का किस

तरह सामना करना है, इसको दर्शाते हुए 'मॉक ड्रिल' की गई।

दिल्ली के सभी 11 जिलों में 5-5 लोकेशन पर मॉक ड्रिल हुई है। दिल्ली में कुल 55 जगहों पर ब्लैकआउट किया जाएगा। तय किया गया है कि ब्लैकआउट में इमरजेंसी की सेवाएं प्रभावित ना हो, इस तरह से ब्लैकआउट किया जाय। साथ ही बहुत बड़े लेवल पर ब्लैकआउट ना करने का फैसला लिया गया है।

इस तरह रहेगा मॉक ड्रिल का सिक्वेंस: खान मार्केट में एयर स्ट्राइक को लेकर के सबसे पहले सायरन बजेगा, ये लोगों को सतर्क करने के लिए होगा। सायरन बजाने के साथ सबको शेल्टर लेना होगा, दुकान के अंदर आसपास कहीं भी जगह मिले छिपना होगा। शेल्टर लेने के लिए कुछ लोगों को फौरन खान मार्केट मेट्रो स्टेशन के बेसमेंट में ले जाया जाएगा, वहां पर वह छिपेंगे। कुछ लोग आसपास के दुकानों में छिपेंगे।

इसके बाद एक लंबा सायरन बजेगा। इसका मतलब यह होगा कि अब रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। इसके तुरंत बाद सिविल डिफेंस, पुलिस, गार्ड जो लोग भी रहेंगे वह घायलों को उठाएंगे सीधे पास में जो फर्स्ट एड है पहले वहां ले जाएंगे।

12वीं का रिजल्ट आने के बाद 2 छात्रों ने की आत्महत्या

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपीबीएसई) ने 26 मई, 2025

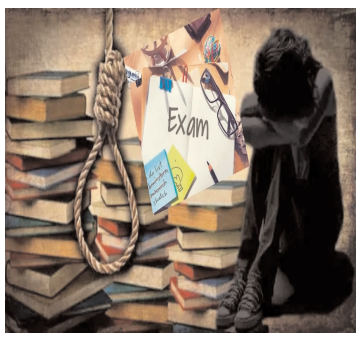

को 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए, जिसके बाद राज्य में तीन हृदयविदारक घटनाएँ सामने आई। दमोह जिले के झगर गाँव में, 17 वर्षीय एक छात्रा, जो विज्ञान विषय की छात्रा थी, ने 12वीं कक्षा में असफल होने के बाद अपने घर की पहली मंजिल पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, परिवार के सदस्य दैनिक कार्यों में व्यस्त थे, जब छात्रा ने यह कदम उठाया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पथरिया थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेगी ने बताया कि किशोरी के परिवार के सदस्य अपने दैनिक कामों में व्यस्त थे, इसी दौरान परिणाम से परेशान छात्रा घर की पहली मंजिल पर बने कमरे में गई और वहां फांसी लगा ली।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने सेना में जाने के लिए अधूरी छोड़ी पीएचडी

परिवार बोला- हमारे खून में है देशभक्ति

वडोदरा (एजेंसी)। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में बुधवार सुबह 'ब्रीफिंग' की तो गुजरात में उनका परिवार गर्व से झूम उठा। उनके परिवार के अनुसार वडोदरा शहर की कर्नल सोफिया ने सेना में अधिकारी बनने के लिए पीएचडी और टीचिंग करियर छोड़ दिया था। उनके माता-पिता और भाई मोहम्मद संजय कुरैशी शहर के तंदलजा इलाके में रहते हैं। संजय ने कहा कि उनकी बहन को दादा और पिता से प्रेरणा मिली जो सेना में थे। संजय ने संवाददाताओं से कहा, ''आप कह सकते हैं कि देशभक्ति हमारे खून में है। स्कूल खत्म करने के बाद सोफिया ने वडोदरा में एम एस यूनिवर्सिटी से बायोकेमिस्ट्री में बीएससी और फिर एमएससी किया, क्योंकि वह प्रोफेसर बनना चाहती थी।''

संजय के साथ उनके पिता ताजुद्दीन कुरैशी, मां हनीमा और बेटी जारा भी थे। संजय ने कहा, मेरी बहन असिस्टेंट लेक्चरर के रूप में यूनिवर्सिटी से जुड़ी और साथ ही उसी विषय में पीएचडी भी की, क्योंकि वह प्रोफेसर बनना चाहती थी। इस बीच, उसका चयन शॉर्ट सर्विस कमीशन (स्स्ष्ट) के

माध्यम से भारतीय सेना में हो गया और उसने सेना में शामिल होने के लिए अपनी पीएचडी और टीचिंग करियर छोड़ने का फैसला किया।'' उन्होंने कहा कि पूरे परिवार को सोफिया की उपलब्धि पर गर्व है। संजय की बेटी जारा ने भी उनको रोल मॉडल बताते हुए सेना में शामिल होने का मन बनाया है।

कर्नल सोफिया के पिता ताजुद्दीन कुरैशी ने कहा कि उनके परिवार को केवल देश की फिक्र है। ताजुद्दीन ने कहा, ''मुझे अपनी बेटी पर गर्व है। मेरा परिवार हमेशा 'वयं राष्ट्रे जागृयाम' (हम राष्ट्र को जीवंत और जागृत बनाए रखेंगे) के सिद्धांत का पालन करता आया है। हम पहले भारतीय हैं और बाद में मुसलमान। हमें सिर्फ़ अपने देश की फिक्र है।''

हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व

भारत की एयरस्ट्राइक पर केजरीवाल का बयान, कहा-

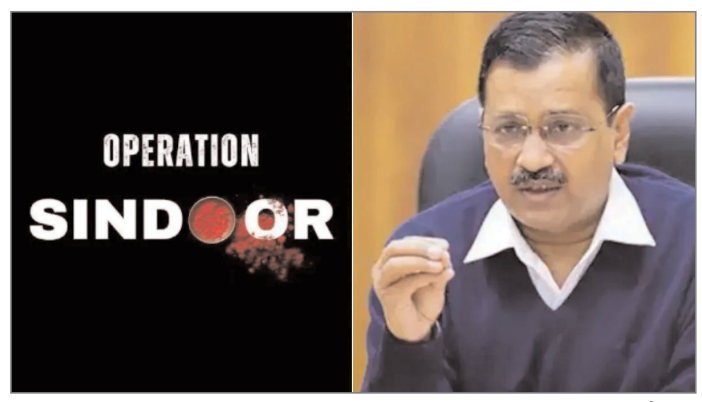

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने 22 अप्रैल के दिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला बोल दिया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अलग-अलग पार्टी के नेताओं का रिएक्शन सामने आ रहा है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी ट्वीट कर भारतीय सेना की तारीफ की है और भारत के वीर जवानों पर विश्वास जताया है।

अरविंद केजरीवाल ने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा, हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है। आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। भारतीय सेना का साहस, हर देशवासी का विश्वास है। हम सब साथ हैं—आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। जय हिंद, जय भारत।

22 अप्रैल 2025 को आतंकियों ने पहलगाम पर घूमने आए टूरिस्ट्स पर हमला

किया था। भारत ने इस आतंकी हमले के जवाब में ठीक 15 दिन के बाद बीती रात को पाकिस्तान में घुसकर जैश-लश्कर और हिज्बुल के आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। भारतीय एयरस्ट्राइक के बाद राहुल गांधी, अखिलेश यादव, असदुद्दीन ओवैसी समेत अलग-अलग पार्टियों के बड़े नेताओं ने भारत का साथ देते हुए अपने बयान दिए हैं। इससे पहले हुए आतंकी हमलों में भी पाकिस्तान का हाथ रहा है और हर बार भारत ने पाकिस्तान के नापाक इरादों का मुंह-तोड़ जवाब दिया है। 2016 में उरी सेक्टर के पास आर्मी हेडक्वार्टर में हुए आतंकी हमले के जवाब में महज 10 दिनों के अंदर भारतीय सेना द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया गया था। 2019 में पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमले के जवाब में भारत ने 12 दिनों के अंदर बालाकोट में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर दी थी।

अगले पांच साल में भारत 52 जासूसी सैटेलाइट्स करेगा लॉन्च

पाकिस्तान समेत दुश्मन देशों की उड़ेगी नींद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर जहां एक ओर भारत ने दुनिया को अपनी मारक क्षमता का अहसास दिला दिया है वहीं अपनी डिफेंस क्षमता को और अधिक बढ़ाने की योजना पर भी वह तेजी से काम कर रहा है। भारत अगले पांच वर्षों में अंतरिक्ष आधारित निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 52 सैटेलाइट्स को कक्षा में स्थापित करेगा। यह जानकारी भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (आईएन-स्पेस) के अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने बुधवार को दी। उन्होंने कहा कि इस कदम से निजी क्षेत्र की मजबूत भागीदारी देखने को मिलेगी।

ग्लोबल स्पेस एक्सप्लोरेशन कॉन्फ्रेंस 2025 के मौके पर गोयनका ने कहा, ÷हमारे पास पहले से ही काफी मजबूत क्षमताएं हैं। बस इसे लगातार बढ़ाने की

जरूरत है।÷ उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र की निगरानी क्षमताओं को बढ़ाना है। उन्होंने कहा, ÷अब तक यह मुख्य रूप से इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) द्वारा किया गया है। हम आगे बढ़ने के साथ निजी क्षेत्र को भी इसमें शामिल करेंगे।÷

उन्होंने बताया कि ये जासूसी उपग्रह भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना को दुश्मन की गतिविधियों पर नज़र रखने, सीमाओं की निगरानी करने और सैन्य अभियानों के दौरान वास्तविक समय के समन्वय में सुधार करने में मदद करेंगे। गोयनका ने कहा, ÷निजी क्षेत्र 52 सैटेलाइड्स में से आधे सैटेलाइट्स का निर्माण करेगा, जबकि बाकी के सैटेलाइट्स का निर्माण इसरो द्वारा किया जाएगा।÷ हालांकि, गोयनका ने स्पष्ट किया कि निगरानी क्षमताओं को और बढ़ाने का फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय और रक्षा बलों द्वारा लिया जाना।

उन्होंने कहा कि इसरो लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) प्रौद्योगिकी को निजी क्षेत्र को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया में भी है। एसएसएलवी को कम समय में छोटे सैटेलाइट्स को पृथ्वी की निचली कक्षा में प्रक्षेपित करने के लिए विकसित किया गया है, जो इमरजेंसी के समय में डिफेंस फोर्सेज के लिए बेहद अहम है। वे 10-500 किलोग्राम वजन वाले उपग्रहों को 500 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में प्रक्षेपित करने में सक्षम हैं। गोयनका ने कहा, एसएसएलवी प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण अब शीघ्र ही होने वाला है।

रोने के लिए छोड़ना भी जरुरी था

छतरपुर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचों को नष्ट कर दिया है। सेना की कार्रवाई में आतंकी मौलाना मसूद अजहर का पूरा खानदान मिट्टी में मिल गया। ऑपरेशन सिंदूर पर प्रतिक्रिया देते हुए बाबा बागेश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सेना ने बहुत ही अच्छा काम किया है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेना को धन्यवाद देना चाहते हैं। आतंकी सरगना मसूद अजहर के परिवार के खात्मे पर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि मसूद अजहर को अब पता चलेगा अपनों का दर्द कैसा होता है। उन्होंने कहा

कि आतंकी ने न जाने कितने परिवार की खुशी छीन ली थी। उसको सबक सिखाना जरुरी था। मौलाना मसूद अजहर के %मैं भी मर जाता% के बयान पर बाबा बागेश्वर ने कहा कि कोई न कोई रोने वाला भी चाहिए। अपनी आंखों से वह देख तो पा रहा है कि कार्रवाई क्या होती है। किसी का घर उजाड़ने पर कैसा लगता है उसे अब यह महसूस करने दीजिए।

दुबक कर बैठ गया हाफिज सईद, हमले के बाद भी सामने नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के मुरीदके में भारतीय फोर्सेस ने लश्कर के हेडक्वार्टर को तबाह कर दिया। हमले को 17 घंटे के करीब हो गए। लेकिन अभी तक आतंकी हाफिज सईद सामने नहीं

● आतंकियों के जनाजे से बनाई दूरी, आर्मी हुई शामिल

आया है। ना ही उसका कोई बयान सामने आया है। हाफिज सईद अपने आतंकियों के जनाजे से भी दूर रहा है। लेकिन मुरीदके में आतंकियों को अंतिम विदाई देने पाकिस्तान आर्मी के फोर्थ कोर का कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल फैयाज हुसैन शाह पहुंचा। आर्मी कमांडर के पहुंचने से समझ सकते हैं कि भारतीय सेना के अटैक से पाकिस्तान को कितना बड़ा झटका पहुंचा है।

भारत ने 50 सेकेंड के भीतर मुरीदके में 4 बम गिराए हैं। निशाने पर वो सभी ठिकाने थे। जहां आतंकियों के छिपे होने का इनपुट था। भारत के हमले में मरकज तैयबा की छत और प्रशासनिक इमारत पूरी तरह तबाह हो गई है।

मुरीदके के मरकज तैयबा में 2008 के मुंबई हमले के आतंकी यहीं से प्रशिक्षित हुए थे। अजमल कसाब और डेविड हेडली भी यहां ट्रेंड किए गए थे। इंडियन फोर्सेस ने जैसे ही मुरीदके में स्ट्राइक किया है। भारत के हमले के बाद वहां भगदड़ मच गई।

पाकिस्तान को लश्कर को पता था कि भारत अटैक करेगा। इसलिए तैयबा मरकज की पहरेदारी आतंकी कर रहे थे। पाकिस्तान में आतंकियों को किस तरह पनाह दी जाती है, दहशतगर्दों को कैसे पुलिस की सिक्योरिटी मिलती है। ये पूरी दुनिया को पता है।

भारतीय हमले के बाद मुरीदके से आई इन तस्वीरों में एक बार फिर पाकिस्तान के झूठ को बेनकाब कर दिया है। जिस मरकज में बैठकर हाफिज सईद आतंकियों वारदातों की प्लानिंग करता था। उस मरकज को चारों तरफ से लोहे के तारों से घेरा गया था। आतंकियों के अलावा पाकिस्तान पुलिस और रेंजर के जवान हाफिज के आतंकी अड्डे की पहरेदारी करते थे।

लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वार्टर है मुरीदके: बता दें कि मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वार्टर है, जब लश्कर पर बैन लगा तो हाफिज सईद ने जमात उल दावा नाम से मुखौटा संगठन बनाया, जो सामाजिक कामों के बहाने टेरर फंडिग और टेररिस्टों को ट्रेनिंग देती थी। इसका नेटवर्क इतना बड़ा है कि पूरे पाकिस्तान में इसके 2500 मदरसे और ऑफिस हैं। साल 2008 में पाकिस्तान ने इसे बैन कर दिया था। स्नन्नञ्जस्न ने ग्रे लिस्ट में भी डाला लेकिन ये संगठन दूसरे नाम से टेरर एक्टिविटिज में शामिल रहा है।

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने सैलरी पैकेज के तहत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने अपने कार्मिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया(एसबीआई) और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ सैलरी पैकेज के लिए एग्रीमेंट किया है। एग्रीमेंट से पॉवर जनरेटिंग कंपनी में कार्यरत अभियंताओं व कार्मिकों को लाभ होगा। कंपनी में कार्यरत कार्मिक स्वेच्छा से इन दोनों बैंको में से किसी भी बैंक से अपना वेतन प्राप्त कर सकते हैं, इससे कार्मिकों को बैंक द्वारा निःशुल्क जीवन बीमा व अन्य महत्वपूर्ण सुविधाएं निःशुल्क अथवा रियायती दरों पर प्राप्त होंगी। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी का एसबीआई व यूनियन बैंक से एग्रीमेंट होने से खाताधारक कंपनी कार्मिक को दोनों बैंक 1 करोड़ रूपए का दुर्घटना जीवन बीमा निःशुल्क प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त वेतन प्राप्त करने वाले खाता धारकों को बैंक से अन्य लाभ भी प्राप्त होंगे, जिसमें निःशुल्क अथवा रियायती दरों पर होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन,लॉकर सुविधा, ओवर ड्राफ्ट, चेक, ऑनलाइन बैंकिंग सुविधा, जीवन बीमा, स्वास्थ बीमा, हेल्थ चैक-अप, ओटीटी सब्सक्रिप्शन, ऑनलाइन जिम सब्सक्रिप्शन, फ्री एयरपोर्ट लॉन्ज आदि शामिल है।

22 महाविद्यालयों को नए भवन की सौगात मिली

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार के निर्देश अनुरूप, उच्च शिक्षा विभाग ने इस वित्तीय वर्ष 2025-26 के शुरू होते ही 22 महाविद्यालयों के नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति प्राप्त कर ली है। महाविद्यालय बलवाड़ी (बड़वानी), भीमपुर (बैतूल), उदयनगर (देवास), चरगवां (जबलपुर), खालवा (खंडवा), भगवानपुरा एवं झिरन्या (खरगोन), राजोधा एवं बानमोर (मुरैना), ओरछा (निवाड़ी), खोरा (पन्ना), कुरई (सिवनी), दिनारा (शिवपुरी), माडा (सिंगरौली), कायथा (उज्जैन), घुवारा (छतरपुर), बिडवाल (धार), खिरकिया (हरदा), सुलतानपुर (रायसेन), गोविंदगढ़ (रीवा) के शासकीय महाविद्यालय एवं विधि महाविद्यालय सिवनी में नवीन महाविद्यालयों के भवन निर्मित किये जाने की स्वीकृति मिली हैं। इसके अतिरिक्त संस्कृत शिक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, पन्ना जिले के देवेन्द्र नगर स्थित संस्कृत महाविद्यालय के लिए भी नवीन भवन स्वीकृत किया गया है। इन महावि?द्यालयों के लिये औसत 15 करोड़ रुपए नवीन भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है। अगले चरण में प्रदेश के लगभग 35 अन्य महाविद्यालयों के नवीन भवनों के लिए स्वीकृति के लिए प्रयास किया जाएगा, इनमें से 16 महावि?द्यालयों के लिए भूमि प्राप्त कर ली गई है। इनमें से कई महाविद्यालय वर्ष 2023 में प्रारंभ हुए हैं एवं इनमें विद्यार्थियों की संख्या 100 से कम है, इसलिए विद्यार्थियों की संख्या एवं वित्तीय संसाधनों के अनुसार विभागीय कार्यवाही की योजना है।

मलखम्भ टीम चैंपियनशिप बालक वर्ग में मिला पहला स्वर्ण पदक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन 15 मई 2025 तक पटना (बिहार) में आयोजित किया जा रहा है, इसमें मध्यप्रदेश 18 खेलों में 176 खिलाड़ी और 53 सपोर्ट स्टॉफ सहित कुल 229 सदस्यीय दल प्रतिभागिता कर रहे है। प्रतियोगिता बिहार में पटना, राजगीर, भागलपुर,नई दिल्ली और गया में हो रही है। मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने अब तक एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक अर्जित किया है। मध्यप्रदेश मेडल टैली में सातवें स्थान पर है।

खेल मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने राज्य खेल मलखम्ब के खिलाडियों के इस प्रदर्शन की से सराहना की है। उन्होंने आशा व्यक्त की है मलखम्भ खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भी अपने शानदार प्रदर्शन से प्रदेश को गौरवान्ति करेंगे।

भोपाल में युवा हाथों में तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे

ऑपरेशन सिंदूर का मनाया जश्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय वायुसेना की सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भोपाल में भी जश्न का माहौल है। लिंक रोड नंबर दो पर संस्कृति बचाओ मंच ने कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की गई। 'संस्कृति बचाओ मंच' के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना की खुलकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सेना का अभिनंदन करता हूं जिन्होंने पहलगाम हमले का बदला लिया है। यह कड़ा संदेश है, लेकिन जनता अभी भी पूरी तरह से संतुष्ट नहीं है। तिवारी ने आगे कहा, हमें आतंक की जड़ को पूरी तरह खत्म करना चाहिए ताकि वह खूंटा ही न रहे जिस पर उछू आकर बैठें हैं। संस्कृति बचाओ मंच भारत सरकार के इस साहसी कदम का पूर्ण समर्थन करता है और अभिनंदन करता है। मध्यप्रदेश सर्वधर्म सद्भावना मंच के सचिव हाजी मोहम्मद इमरान हारून ने एक बयान जारी कर कहा कि भारत का हर नागरिक, हर मजहब, हर तबका आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में भारतीय सेना और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा, भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जो कार्यवाही शुरू की है, उसमें भारत का एक-एक नागरिक साथ है। देश का हर नौजवान, चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान, सिख या ईसाई, देश की रक्षा के लिए हर वक्त तैयार है।

हाजी इमरान हारून ने यह भी कहा कि यदि देश को जरूरत पड़ी तो भारत का एक-एक नौजवान सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान करने को तैयार है।

उन्होंने सेना से अपील की कि जो युवा शारीरिक रूप से फिट और योग्य हैं, उन्हें भर्ती की प्रक्रिया में स्थान दिया जाए। उन्होंने याद दिलाया कि भारत की आजादी में लाखों हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाइयों ने कुर्बानियां दी थीं और आज भी वही जज्बा देश के नौजवानों में जिंदा है। हमारा हर नौजवान देश की सरहदों की रक्षा करने के लिए तत्पर है। जब भी देश को हमारी जरूरत पड़ी है, हमने बिना किसी भेदभाव के एकजुट होकर देश के लिए बलिदान दिया है, और आगे भी देते रहेंगे। नूतन कॉलेज में एबीवीपी की महिला विंग की छात्राओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर देशभक्ति के गीतों के साथ जश्न मनाया। छात्राओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और देशभक्ति के नारे लगाकर देश की सेना को सलाम किया।

इस मौके पर परिषद की पदाधिकारी बबली शर्मा ने कहा कि पुलवामा में हमारे जवानों की शहादत का बदला देश ने ले लिया है। हमारी सरकार और सैनिकों ने मिलकर जो जवाबी कार्रवाई की है, वह यह दिखाता है कि अब भारत चुप बैठने वाला नहीं है। यह सैन्य शक्ति का एक छोटा सा नमूना भर है। असली फिल्म तो अभी बाकी है।

बबली शर्मा ने आगे कहा, हम बहनें भी किसी से कम नहीं हैं। देश की रक्षा के लिए हम हर मोर्चे पर तैयार हैं। यह जश्न केवल विजय का नहीं, बल्कि एक संदेश है कि भारत अब हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देगा।

लोक निर्माण मंत्री सिंह ने वर्षा पूर्व सड़क मरम्मत और लोक कल्याण सरोवर निर्माण के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने औचक निरीक्षण की समीक्षा बैठक में विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में मंत्री श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए, साथ ही जिन अधिकारियों ने उत्कृष्ट कार्य किया उनकी प्रशंसा की। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कार्यों को प्रोत्साहित किया जाएगा और लापरवाही के प्रति विभाग में सख्त रुख अपनाया जाएगा। प्रत्येक माह की 5 और 20 तारीख को आयोजित किए जाने वाले औचक निरीक्षणों की श्रृंखला में इस माह 5 मई को सात जिलों के 35 निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। इन निरीक्षणों के लिए जिलों और निर्माण कार्यों का चयन तथा निरीक्षण दलों का गठन पूर्णतः कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से रैंडम आधार पर किया गया जिससे पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके। औचक निरीक्षण के दौरान कटनी जिले में सकरीगढ़ से भदौरा स्टेशन मार्ग पीजी के अंतर्गत कार्य नहीं करने पर ठेकेदार मेसर्स फेस एसोसिएट के पंजीयन को काली सूची में दर्ज करने के लिए संबंधित मुख्य अभियंता जबलपुर को निर्देशित किया गया है।

मंदसौर जिले में लोक निर्माण विभाग (भवन) के नवीन चिकित्सा महाविद्यालय के कार्य में कमी पाए जाने के कारण संबंधित कार्यपालन यंत्री (भवन) एवं ठेकेदार मेसर्स जे.पी. स्ट्रक्चर्स प्रायवेट लिमिटेड राजकोट (गुजरात) के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिये मुख्य अभियंता (भवन) को निर्देश दिए गए।

मंत्री श्री टेटवाल ने संभागीय आईटीआई में किया अत्याधुनिक प्लंबिंग लैब और गर्ल्स कॉमन रूम का लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने शासकीय संभागीय आईटीआई भोपाल में अत्याधुनिक प्लंबिंग लैब का लोकार्पण किया। जग्वार फाउंडेशन द्वारा लैब की स्थापना 'दक्ष पहल' के अंतर्गत की गई है। लैब में प्लंबिंग व्यवसाय से जुड़े प्रशिक्षणार्थियों को वो व्यावहारिक अनुभव और आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी, जो सीधे-सीधे उन्हें इंडस्ट्री में काम करने के लिए तैयार करेगी। यहां महज पाइप जोड़ने या फिटिंग सिखाने तक बात सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों को जल प्रबंधन, स्मार्ट फिटिंग्स, सेनेटरी टेक्नोलॉजी और ग्राहक सेवा जैसे पहलुओं से भी जोड़ा जाएगा।

लैब में स्थापित उन्नत उपकरणों, आधुनिक टूल्स और इंडस्ट्री ग्रेड इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से न केवल एक वर्षीय प्लंबिंग कोर्स के ट्रेनी लाभान्वित होंगे, बल्कि फिटर, टर्नर और मशीनिस्ट जैसे व्यवसायों में प्रशिक्षण ले रहे अन्य छात्र भी इससे व्यावहारिक रूप से जुड़ सकेंगे। लगभग 20 लाख रु. की लागत से बनी लैब में विद्यार्थी इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इसमें बिल्डिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर, शहरी विकास, हाउसिंग प्रोजेक्ट्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी से जुड़े प्रोजेक्ट्स में प्लंबिंग की अहम भूमिका पर आधारित आधुनिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। यह लैब सिर्फ एक कक्षा नहीं, बल्कि युवाओं की आत्म निर्भरता की कार्यशाला है, जहां से निकलने वाले छात्र देश के निर्माण में तकनीकी भूमिका निभा सकेंगे। मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने कहा कि ये 'उद्योग की मांग और प्रशिक्षण की गुणवत्ता के बीच सेतु' का काम करेगी।

मंत्री डॉ. टेटवाल ने दिव्यांग छात्राओं से आत्मीय संवाद किया, बेटियों को बताया समाज की असली शक्ति

संभागीय आईटीआई के कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल का दिव्यांग छात्राओं से आत्मीय संवाद खास रहा। उन्होंने बेटियों से बातचीत करते हुए कहा कि बेटियां हमेशा से समाज की शक्ति रही हैं और आज जरूरत है कि वे हर क्षेत्र में आगे आएं।

मंत्री श्री टेटवाल ने छात्राओं से उनकी पढ़ाई, प्रशिक्षण और जरूरतों के बारे में पूछा और भरोसा दिलाया कि संस्थान में बेटियों के लिए हर जरूरी सुविधा और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

खेत तालाब निर्माण में अलीराजपुर जिला प्रदेश में अव्वल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में बारिश के पानी को सहेजने व पुराने जल स्त्रोतों को संवारने के लिए 30 मार्च से 30 जून 2025 तक प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसमें प्रदेश के सभी जिलों में खेत तालाब, कूप रिचार्ज, अमृत सरोवरों का (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) मनरेगा के तहत निर्माण कार्य कराया जा रहा है। विगत डेढ़ माह से अधिक समय से चल रहे इस अभियान में खेत तालाब का निर्माण कराने में अलीराजपुर जिला अब तक प्रदेश में पहले नंबर पर है।

मनरेगा आयुक्त श्री अवि प्रसाद ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसमें अंतर्गत प्रदेश में पुराने जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए साफ-सफाई कराई जा रही है। साथ ही बारिश के पानी को सहेजने के लिए खेत-तालाब, अमृत सरोवरों का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए सभी जिलों को लक्ष्य भी दिया गया है। आयुक्त श्री प्रसाद ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में 80 हजार 78 नए खेत तालाब बनाने का लक्ष्य दिया गया है। इसमें अब तक 31 हजार 853 कार्य स्वीकृत हुए है। 40 प्रतिशत से अधिक में कार्य भी शुरू हो गया है। इसी तरह से प्रदेश में 1 लाख कूप रिचार्ज का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 34 हजार 166 पर कार्य शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 1 हजार अमृत सरोवर का निर्माण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 956 पर कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। खेत तालाब निर्माण में प्रदेश में टॉप 5 जिले में अलीराजपुर पहले नंबर है। दूसरे नंबर पर सिवनी, तीसरे पर पन्ना, चौथे पर अनूपपुर और 5वें नंबर पर विदिशा जिला है। कूप रिजार्च के टॉप 5 जिलों की सूची में पहले नंबर खंडवा जिला है।

नव गठित जिलों में आपूर्ति कार्यालय और नाप-तौल कार्यालय स्थापित करने की स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता मंत्रि-परिषद द्वारा नव गठित जिले मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अंतर्गत जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय और निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में नाप-तौल कार्यालय स्थापित करने की स्वीकृति दी गयी है। तीन जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय के लिए कुल 16 पद और 4 जिलों में नाप-तौल कार्यालय के लिए कुल 13 पदों की स्वीकृति दी गयी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा में जिला आपूर्ति अधिकारी का 1-1 पद, सहायक आपूर्ति अधिकारी के 1-1 पद, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के मऊगंज में 2 और मैहर, पांढुर्णा में 1-1 पद, लेखापाल का 1-1 पद एवं भृत्य का 1-1 पद स्वीकृत किया गया।

कार्यालय नाप-तौल के लिए नव गठित जिला निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में निरीक्षक का 1-1 पद, सहायक ग्रेड-3 के 1-1 पद, श्रम सहायक के मऊगंज में 2 पद एवं मैहर, पांढुर्णा और निवाडी में 1-1 पदो की स्वीकृति दी गयी।

विद्यार्थियों में मानवीय जीवन मूल्यों का बोध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेगा एमओयू : मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की उपस्थिति में मंत्रालय में मंगलवार को उच्च शिक्षा विभाग एवं राज्य आनंद संस्थान (आनंद विभाग) के मध्य समझौता ज्ञापन (रूह) पर हस्ताक्षर किए गये। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि श्रेष्ठ नागरिक निर्माण करना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का ध्येय है। इस एमओयू का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में, उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में मानवीय जीवन मूल्यों बोध की शिक्षा दिया जाना है। इस एमओयू में दोनों उपक्रम, सहयोगी के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अंतर्गत उच्च शिक्षा संस्थानों में मानवीय मूल्य एवं नैतिकता पर आधारित शिक्षा विषय पर विभिन्न कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करेंगे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि इस एमओयू का उद्देश्य है कि जब युवा अध्ययन के उपरांत समाज में जाएं तो वे जिस भी क्षेत्र में कार्य करें, वे अपना श्रेष्ठतम योगदान देते हुए एवं मानवीय मूल्यों को आत्मसात करते हुए मानवता की सेवा कर सकें। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हर व्यक्ति का जीवन में लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य करने का भाव, बोझ न होकर स्वाभाविक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपना कार्य समय पर पूर्ण करने में भी आनंद की ही अनुभूति होती है। आयुक्त उच्च शिक्षा श्री निशांत वरवड़े, राज्य आनंद संस्थान से मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष कुमार उपस्थित थे।

एमओयू के माध्यम से उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत समस्त शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत शिक्षक एवं विद्यार्थियों के जीवन में आंतरिक आनंद के महत्व एवं विद्यार्थियों में मानवीय जीवन मूल्य संवर्धन के लिए अभ्यास कार्यक्रम आयोजित होंगे।

खादी वस्त्रों एवं स्वदेशी उत्पादों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग कर देश को समृद्ध बनायें : राज्यमंत्री जायसवाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि खादी वस्त्रों एवं स्वदेशी उत्पादों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग कर देश को समृद्ध बनाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि खादी का देश की आजादी में बड़ा योगदान था।

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का अभियान चलाकर स्वदेशी वस्तुओं को उपयोग में लाने पर जोर दिया था, जिसके कारण अंग्रेजों को देश छोड़ने के लिये मजबूर होना पड़ा। राज्यमंत्री श्री जायसवाल गौहर महल में मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित

राज्य स्तरीय खादी उत्सव-2025 का औपचारिक शुभारंभ कर रहे थे।

इस अवसर पर लगायी गयी प्रदर्शनी का उन्होंने निरीक्षण किया। प्रदर्शनी में खादी वस्त्रों एवं अन्य उत्पादों की खरीदी पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। प्रदर्शनी 15 मई तक लगेगी। राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया का सबसे विकसित देश बने। इसके लिये उन्होंने जनता से खादी का उपयोग जरूर करने का आहवान किया है। उन्होंने कहा कि खादी उद्योग देश में बड़े स्तर पर व्यापार कर रहा है। युवाओं, महिलाओं, पुरूषों एवं बच्चों, सभी की पसंद के आधार पर खादी उत्पाद तैयार किये जा रहे हैं। ये उत्पाद जैविक रूप से तैयार होते हैं, जिनका उपयोग करने से किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता है। उत्पाद तैयार करने वाले सभी कारीगर, शिल्पकार और कलाकार बधाई के पात्र हैं। राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि खादी वस्त्रों की ब्रॉण्डिंग के लिये विभाग द्वारा एक पोर्टल तैयार किया जा रहा है। पोर्टल पर विभिन्न उत्पादों की जानकारी रहेगी, जहाँ से कोई भी व्यक्ति उत्पाद खरीद सकता है।

कुदवा रेंज में हुई घटना के बाद बाघ को किया रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विभाग द्वारा दक्षिण बालाघाट वन मण्डल के अंतर्गत कटंगी के कुदवा रेंज में विगत दिनों बाघ के हमले से दुर्भाग्यवश एक व्यक्ति की मृत्यु हुई थी। इसके बाद वन विभाग द्वारा वन क्षेत्र को सुरक्षित करते हुए पशु चिकित्सकों एवं स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर बाघ को रेस्क्यू कर लिया गया। बाघ को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' की गाइड-लाइन के अनुरूप जाँच और निगरानी में रखा गया। वन्य-जीव और मानव के बीच बढ़ते संघर्ष हमारे लिये एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। मानव सुरक्षा एवं वन्य-जीव संरक्षण के लिये वन विभाग पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। वन विभाग द्वारा पीड़ित परिवार को

सहायता और मुआवजा राशि दी गयी है। वन विभाग ने इस संवेदनशील 2 दिवसीय रेस्क्यू ऑपरेशन में स्थानीय समुदाय के सहयोग के लिये भी आभार माना है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बायो-फ्यूल योजना क्रियान्वयन के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रदेश में बायो-फ्यूल परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है। समिति में सचिव वन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, नगरीय विकास एवं आवास, पशुपालन एवं डेयरी, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास एवं रोजगार सदस्य होंगे। सचिव, नवीन एवं नवकरणीय उर्जा को सदस्य सचिव बनाया गया है। उच्चाधिकार समिति मुख्यतः बायो-फ्यूल योजना की कंडिका 10.2 के अंतर्गत, भूमि संबंधी निर्धारित मानदंडों में छूट प्रदान करना, म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट के संग्रहण और बायो-फ्यूल उत्पादकों तक इसके सुगम पहुंच के लिए आवश्यक रूपरेखा तैयार करना, कृषि उपज मंडी के अपशिष्ट की उपलब्धता बायो-फ्यूल उत्पादकों को सुनिश्चित कराना, गोबर की उपलब्धता बायोफ्यूल उत्पादकों को सुनिश्चित कराना, राज्य में कार्यरत सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को बायो-सीएनजी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना, किसानों में फार्मेंटेड ऑर्गेनिक मैन्योर के उपयोग को बढावा देना और सेक्टर में कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था करना जैसे कार्य करेगी।

पार्थ योजना के तहत पुलिस एवं सेना भर्ती का प्रशिक्षण प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खेल और युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में पार्थ योजना के तहत पुलिस एवं आर्मी भर्ती ट्रेनिंग स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में प्रारंभ की गई। द्वितीय चरण में आवेदकों का मेडिकल परीक्षण किया गया एवं मानसिक दक्षता बढाने के लिए कक्षाएँ की प्रारंभ की गई। संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी एम.के. धौलपुरी ने बताया कि "पार्थ योजना" का द्वितीय चरण स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में प्रारंभ हुआ जिसमें बालक एवं बालिकाओं के मेडिकल परीक्षण एवं मानसिक दक्षता कोचिंग क्लॉसेस प्रारंभ किये गये। "पार्थ योजना" में इच्छुक बालक एवं बालिका स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स रीवा मे मोबाईल नम्बर 9755618571, 7224926265 पर संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सैनिक सम्मान के साथ पंचतत्त्व मे विलीन हुए सैनिक नीरज सिंह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। "मुझे तोड़ लेना वन माली उस पथ पर देना तुम फेक, मातृभूमि पर शीश चढ़ाने जिस पथ जाए वीर अनेक!! यह कविता वीर रस से भरी रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित तब सचित्र वर्णन करती प्रतीत होती है जब वास्तव मे कोई वीर कि अंतिम यात्रा गुजर रही होती है आज उसी कड़ी मे ग्राम करही कलां तहसील - उचेहरा जिला - सतना मे सैनिक नीरज कुमार कि यात्रा अंतिम पथ पर थीं गांव कि गालियों मे सन्नाटा छा गया जैसे ही सैनिक नीरज कुमार के निधन कि खबर सैन्य अधिकारियो द्वारा उनके परिजनों को दी गई!

सैनिक नीरज कुमार 2016 मे सेना के श्वरथ्य शाखा मे बतौर तकनीकी सैनिक के रूप मे नियुक्त हुए थे और अपने कर्तव्यपथ पर चलते हुए अपने काम को बखूबी हल कर लेने कि प्रतिभा नीरज मे सागर के सामान झलकती थीं दिनांक 24/04/2025 को नीरज को उनकी ड्यूटी के दौरान मशतिश्क मे ब्लॉकज के कारण दिल्ली के हॉस्पिटल मे भरती कराया गया था वहां 1 हफ्ते इलाज के दौरान 05 मई को उनकी सास थम गई भाई नीरज अपने पीछे अपनी धर्म पत्नी 1 बच्ची 1 बच्चा और बूढ़े माता पिताजी को छोड़ गये है जाना सबको है पर अल्प आयु मे इसलिए तरह चले जाना परिवार के लिए तों है ही हम सब के लिए कष्टदाई रहता है नीरज के अंतिम संस्कार मे स्टेशन कमांडर मध्य भारत एरिया जबलपुर द्वारा सैनिक को सैन्य सम्मान देने के लिए एक सैन्य टुकड़ी भी आई थीं

सम्मान मे मप्र पुलिस कि टुकड़ी भी उचेहरा थाना से उपस्थित थीं इसके साथ ही उपस्थित थे पूर्व सैनिक संगठन जिला सतना के अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार अपनी जिले कि पूरी टीम के साथ!इसके अलावा उचेहरा तहसील के पूर्व सैनिक राजकुमार सिंह, श्री ठाकुर प्रसाद सिंह, अध्यक्ष किसान नेता जिला सतना (टिकैत) केशव प्रताप सिंह, शिक्षक, ब्रजभान सिंह, शिक्षक दिनेश सिंह, महेंद्र सिंह राजीव प्रताप सिंह, धर्मेंद्र सिंह, गुरदीप मिश्रा, तपित सिंह मान सिंह, राजभान सिंह, सूखेद्र सिंह, सर्वेश राज सिंह, विजय सिंह, पुष्पराज सिंह, जायेंन्द्र सिंह, राम सिंह, अमित कुमार मिश्रा, बिमलेश सिंह,उपेंद्र सिंह शिक्षक,अंकित सिंह पथरहटा , आशीष सिंह,अंकित सिंह मौहार,रामभान सिंह करही कलां के साथ उचेहरा ब्लॉक अध्यक्ष उदयभान सिंह नें सैनिक नीरज सिंह के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र के साथ श्रद्धांजलि दी वहा पर उपस्थित जन समुदाय नें इस सेवनिवृत सैनिको कि एकता को देख सेना कि सराहना कि जिले का सैनिक परिवार इस दुखी परिवार के साथ हमेशा खड़ा रहेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान में पीएचई कर रहा पाइप लाइनों में सुधार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवीन जल संरचनाओं का निर्माण करने के साथ-साथ पानी को व्यर्थ करने से बचाने के भी प्रयास किये जा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जिले भर में अभियान चलाकर नल जल योजना की पाइप लाइनों के लिकेज दूर किये जा रहे हैं। इसके साथ-साथ हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट का निर्माण भी कराया जा रहा है। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री संजय पाण्डेय ने बताया कि विभाग के कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री और उप यंत्री लगातार भ्रमण करके नल जल योजनाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। गत दिवस रीवा विकासखण्ड के ग्राम भिटवा और रौसर की नल जल योजनाओं का निरीक्षण किया गया। इसी तरह ग्राम गोड़हर की नल जल योजना में पाइप लाइन का सुधार कराया गया। ग्राम नर्रहा में तथा हर्दी में जल संवर्धन के कार्य किये जा रहे हैं। नर्रहा में नल जल योजना का सुधार कराके पानी की आपूर्ति शुरू की गयी।

इसी तरह रायपुर कर्चुलियान के विकासखण्ड ग्राम हर्दी, सिरमौर विकासखण्ड के ग्राम बदरौव पिपरियान में पाइप लाइन में सुधार कार्य कराया गया। ग्राम पंचायतों के सहयोग से हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने के कार्य भी लगातार किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम कलवारी तथा कटरा में नल जल योजनाओं का निरीक्षण किया गया। रीवा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत करहिया नं. एक में जन चौपाल का आयोजन करके आमजनता को जल संरक्षण का संदेश दिया गया। गांव की नल जल योजना तथा ग्राम अगडाल की नल जल योजना का निरीक्षण करके उनमें आवश्यक सुधार कराया गया।

किसानों के लिए वरदान है सुपर सीडर, नरवाई का निदान और बुवाई एक साथ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए शासन द्वारा कई योजनाएं लागू की गई हैं। किसानों को आधुनिक तकनीक का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी कड़ी का उदाहरण सुपर सीडर है। सुपर सीडर ट्रैक्टर के साथ जुड़कर कार्य करने वाला ऐसा यंत्र है जो नरवाई की समस्या का निदान करने के साथ-साथ बुवाई भी करता है। जो किसान धान की खेती के बाद गेंहू और चने की बुवाई करते हैं उनके लिए यह अत्यंत उपयोगी है। सुपर सीडर धान अथवा अन्य किसी भी फसल के डंठल जिसे नरवाई कहा जाता है उसे आसानी से छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर मिट्टी मे मिला देता है। इसके उपयोग से नरवाई को जलाने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे एक ओर पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण होता है वहीं दूसरी ओर मिट्टी के ऊपरी परत के उपयोगी जीवाणुओं के जीवन की रक्षा भी होती है। सुपर सीडर से नरवाई वाले खेत में सीधे गेंहू, चने अथवा अन्य फसल की बोनी की जा सकती है। इसके उपयोग से किसान को नरवाई की झंझट से मुक्ति मिलती है। जो नरवाई किसान के लिए समस्या है उसे सुपर सीडर खाद के रूप में बदलकर वरदान बना देता है।

संभागीय कृषि अभियांत्रिकी विभाग सतना में सुपर सीडर उपलब्ध है। शासन की योजनाओं के तहत किसान को सुपर सीडर खरीदने पर 40 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है। सुपर सीडर सामान्य तौर पर एक घण्टे में एक एकड़ क्षेत्र में नरवाई नष्ट करने के साथ बुवाई कर देता है। गेंहू के बाद जिन क्षेत्रों में मूंग की खेती की जाती है वहाँ भी सुपर सीडर बहुत उपयोगी है। हार्वेस्टर से कटाई के बाद गेंहू के शेष बचे डंठल को आसानी से मिट्टी में मिलाकर सुपर सीडर मूंग की बुवाई कर देता है। सुपर सीडर के उपयोग से जुताई का खर्च बच जाता है। नरवाई नष्ट करने, जुताई और बुवाई एक साथ हो जाने से खेती की लागत घटती है। जिन किसानों के पास ट्रैक्टर हैं उनके घर के शिक्षित युवा सुपर सीडर खरीदकर एक सीजन में एक लाख रुपए तक की कमाई कर सकते हैं।

सीधी में ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मारी, शख्स का पैर कटा, अपने घर मझरेती गांव जा रहा था

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के शिवपुरवा के पास बुधवार शाम 5 बजे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में 55 साल के प्रेमसागर तिवारी घायल हो गए। टक्कर के बाद ट्रैक्टर का पिछला हिस्सा उनके पैर से टकराया, जिससे पैर कट गया।

प्रेमसागर तिवारी सीधी से सामान लेकर अपने गांव मझरेती जा रहे थे। तभी शिवपुरवा के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वे सड़क पर गिर पड़े और ट्रैक्टर का पिछला पहिया उनके पैर के ऊपर से निकल गया।

प्रेमसागर ने बताया की मैं बाई तरफ से अपनी बाइक से जा रहा था। तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेक्टर की टक्कर हो गई जिसमे मैं घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल प्रेमसागर को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। थाना कोतवाली प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा ने बताया कि पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

अवैध राशि की मांग करने वाले सहायक समिति प्रबंधक निलंबित

रीवा. प्रशासक प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति गोविंदगढ़ ने सहायक समिति प्रबंधक अनिल कुमार चतुर्वेदी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिये हैं। निलंबन अवधि में चतुर्वेदी का मुख्यालय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति गोविंदगढ़ रहेगा। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जायेगा। सहायक समिति प्रबंधक चतुर्वेदी द्वारा आपरेटर की मजदूरी भुगतान के लिए अवैध राशि की मांग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसी जांच करने पर अवैध राशि की मांग प्रमाणित पाये जाने पर निलंबन की कार्यवाही की गयी है।

रीवा जिले में ड्रेगन फ्रूट की खेती का हुआ नवाचार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में ड्रेगन फ्रूट की खेती का नवाचार करने का संकल्प लेकर कृषक के.पी. सिंह ड्रेगन फ्रूट की खेती करने वाले एक मात्र कृषक हैं। मनगवां के समीप बसेड़ा गांव में शिव ड्रेगन फ्रूट के नाम से के.पी. सिंह ने मार्च 2024 में ड्रेगन फ्रूट की खेती करना प्रारंभ किया है। कक्षा 12वीं पास कृषक सिंह ग्राम पंचायत के सरपंच भी है। उन्होंने हैदराबाद से ड्रेगन फ्रूट की कलम लाकर उपचारित कर धूप से बचाव के लिये चूने के घोल को मिलाकर बालू व देशी खाद सहित आर्गेनिक खेती करना शुरू किया। अभी उन्होंने 40 डिसमिल क्षेत्र में 6 लाख रूपये की लागत से खेती प्रारंभ की है इसे एक एकड़ में लगाने का लक्ष्य है। कृषक सिंह हैदराबाद से 200 पेड़ प्रति पेड़ 600 रूपये की लागत के ड्रेगन फ्रूट की कलम लेकर आये थे। कृषक के.पी. सिंह बताते हैं कि मुझे गूगल में देखकर ड्रेगन खेती करने का विचार मन में आया। यह ऐसी खेती है जो मरूस्थलीय जगह में हो सकती है तथा बहुत ही कम पानी चाहिए। देशी गोबर की खाद व बालू से इसे पर्याप्त नमी मिल जाती है। यह फल 400 रूपये से 500 रूपये प्रति मिलो ग्राम तक विकता है तथा प्लेट्स एवं इम्यूनिटी बढ़ाने तथा पीलिया के मरीज के लिये बहुत ही उपयोगी है। के.पी. सिंह का लक्ष्य है कि वह अपनी पंचायत को ड्रेगन फ्रूट खेती करने वाली पंचायत बनायें तथा अधिक से अधिक कृषक उसकी खेती करें। वह ड्रेनिंग सेंटर बनाकर अन्य किसानों को भी इसकी खेती के लिये प्रेरित करने का इरादा रखते हैं। हितग्राही मो. नं. 9301245270 है।

जीवन और मृत्यु एक अवसर है: पं. बाजपेयी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जीवन और मृत्यु दोनों एक अवसर है दोनों एक सिक्के के दो पहलू है जीवन के बिना मृत्यु असंभव और मृत्यु के बिना जीवन असंभव जैसे दिन के बिना रात और रात के बिना दिन अर्थात दोनों स्वागत योग हैं उक्त प्रवचन पंडित अशोक बाजपेयी जी ने श्री धामा आश्रम में महंत स्वामी ईश्वर दास उदासीन जी के सानिध्य में चल रहे भागवत महापुराण कथा के तीसरे दिन परीक्षित की चर्चा में कहा । बाजपेई जी ने कहा कलियुग का राजा के सिर पर स्वर्ण मुकुट के माध्यम से बैठने का तात्पर्य यह है कि धनवान व्यक्ति को संपन्न होने के बाद भी अपना वैदिक समय नहीं खोना चाहिए। धनी होने के बाद भी यदि बुद्धि संयमित है तो विकास होगा वही बुद्धि धनमद से उम्मत होकर असयमित हो जाए तो विनाश होगा। जो परीक्षित के साथ हुआ धन की तीन गति कही गई है दान [उत्तम] भोग [मध्यम] तीसरी गति है विनाश सप्त दिवस में ही तक्षक नाग के डसने पर परीक्षित काल के गाल में समाएंगे ऐसा जानकार परीक्षित गंगा तट पर गये। अर्थात मृत्यु की भय ने राजा के अंतर्मन को जगा दिया सात दिन में मृत्यु होगी यदि यह ही जीवन का परिणाम है तो फिर जीवन क्या है जीवन और मृत्यु के इस दुर्गभ पथ के समझाने के लिए परीक्षित ने भागवत श्रवण किया।कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सेवादारी विनोद गेलानी ने बताया 8 मई गुरुवार को स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के प्रिय शिष्य ओमप्रकाश उदासीन जी के जन्मोत्सव के अवसर पर श्री भागवत महापुराण कथा के साथ विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है स्वामी जी ने सभी भक्तगणों से भागवत कथा में पधार कर पुण्य लाभ प्राप्त करने का अनुरोध किया है।

भुवन ऋभु बने वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय अधिवक्ता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रख्यात बाल अधिकार अधिवक्ता व जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के संस्थापक भुवन ऋभु को वर्ल्ड लॉ कांग्रेस की बैठक में वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन (डब्ल्यूजेए) ने प्रतिष्ठित 'मेडल ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया। वे यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय हैं। भुवन ऋभु का मध्य प्रदेश और खास तौर से रीवा से गहरा नाता रहा है जहां जेआरसी के सहयोगी के तौर अहिंसा वेलफेयर सोसायटी रीवा जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहा है। बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन दुनिया का सबसे बड़ा कानूनी हस्तक्षेप नेटवर्क है जिसके सहयोगी संगठन देश के 416 जिलों में जमीन पर काम कर रहे हैं।

वर्ष 1963 में स्थापित वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन दुनिया के विधिवेत्ताओं की सबसे पुरानी संस्था है जिसने न्याय के शासन की स्थापना में अपने योगदान के लिए विंस्टन चर्चिल, नेल्सन मंडेला, रूथ बेडर गिन्सबर्ग, स्पेन के राजा फेलिप षष्टम्, रेने कैसिन और कैरी कैनेडी जैसी ऐतिहासिक हस्तियों को सम्मानित किया है।

जेआरसी के संस्थापक को मिले इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मान पर सहयोगी संगठन अहिंसा वेलफेयर सोसायटी रीवा के निदेशक सुमित सिंह ने कहा, "यह सिर्फ भुवन जी का व्यक्तिगत सम्मान नहीं है- यह हम उन सभी लोगों के लिए अत्यंत गर्व का पल है जो प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन ने उनके कार्यों को जो मान्यता दी है, वह हम सभी के संघर्ष और विश्वास का सम्मान है। यह हमारे प्रयासों को नई गति और उर्जा देगा और राज्य सरकार व जिला प्रशासन के सहयोग से हम 2030 तक रीवा को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम यह भी सुनिश्चित करने के लिए दृढ़प्रतिज्ञ हैं कि बाल मजदूरी के लिए जिले के एक भी बच्चे की ट्रैफिकिंग नहीं होने पाए। यह वैश्विक सम्मान हमारे संकल्प को और मजबूती देता है और बच्चों के लिए एक सुरक्षित और बेहतर दुनिया बनाने के हमारे सपने को नई उर्जा देता है।"

डोमिनिकन रिपब्लिक में 4 से 6 मई के बीच हुए इस कार्यक्रम में दुनिया के 70 से ज्यादा देशों से आए लगभग 1500 विधिवेत्ता और 300 से अधिक वक्ता शामिल हुए। इस मौके पर दुनिया की सबसे पुरानी ज्यूरिस्ट संस्था ने भुवन ऋभु को बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए दो दशकों से ज्यादा समय से किए जा रहे उनके बेहतरीन काम- चाहे वो क़ानूनी लड़ाइयां हों या जमीनी जागरूकता- के लिए सम्मानित किया। डोमिनिकन रिपब्लिक के श्रम मंत्री एडी ओलिवारेज ऑर्तेगा और वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जेवियर क्रेमाडेस ने उन्हें 'मेडल ऑफ ऑनर' प्रदान किया। इस अवसर पर डोमिनिकन रिपब्लिक की महिला विभाग की मंत्री मायरा जिमेनेज भी उपस्थित थीं।

इस मौके पर जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के राष्ट्रीय संयोजक रवि कांत ने कहा, "हमारे संस्थापक को 'मेडल ऑफ ऑनर' जैसा प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलना न सिर्फ हमारे नेटवर्क के लिए ऐतिहासिक क्षण है बल्कि पूरे देश में बाल अधिकार आंदोलन के लिए मील का पत्थर है। यह इस तथ्य की एक बार फिर पुष्टि करता है कि बच्चों की आजादी व गरिमा की रक्षा के लिए कानूनी हस्तक्षेप एक बेहद सशक्त औजार है।

ज्ञानोदय विद्यालय में कक्षा 11वीं में प्रवेश शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय रीवा में संचालित है। कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद कक्षा 11वीं में तीन संकायों गणित, जीव विज्ञान तथा वाणिज्य संकाय में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इस संबंध में प्राचार्य एन.के. दुबे ने बताया कि प्रवेश के लिए आवेदन पत्र विद्यालय से निःशुल्क प्राप्त किये जा सकते हैं। कक्षा 10वीं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने के वाले अनुसूचित जाति के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में अन्य जानकारियाँ कार्यालयीन समय में ज्ञानोदय विद्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

नरवाई जलाने वाले किसान को जुर्माने का नोटिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल द्वारा रीवा जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध के आदेश दिये हैं। इस आदेश का उल्लंघन करके हुजूर तहसील के ग्राम भटलों में 30 अप्रैल को आराजी क्रमांक 1836 में नरवाई जलाने की घटना सेटेलाइन के माध्यम से दर्ज हुई है। राजस्व तथा कृषि विभाग के मैदानी कर्मचारियों द्वारा मौके पर जांच करने में नरवाई जलाना प्रमाणित पाया गया है। तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला ने नरवाई जलाने वाले किसान उमा प्रताप सिंह को 5 हजार रूपये के जुर्माने का नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर जुर्माने की कार्यवाही की जायेगी।

विचार

माक ड्रिल को लेकर मीडिया की सक्रियता

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के सभी राज्यों को अलर्ट रहने के लिए कहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच कभी भी युद्ध हो सकता है। इसको देखते हुए 1971 के बाद पहली बार देश में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। 7 मई को देश के अधिकांश जिलों में नागरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन स्थिति में कैसे सुरक्षित हो सकते हैं। इसको लेकर व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में हवाई हमले की चेतावनी सायरन के माध्यम से दी जाएगी। इस चेतावनी का मुकाबला नागरिकों को किस तरह से करना है। इसकी जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थियों को भी इस प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा। हवाई हमले की स्थिति में तुरंत किस तरह से ब्लैक आउट किया जाएगा। महत्वपूर्ण स्थलों को किस तरीके से छुपाया जाएगा। हवाई हमले से यदि कोई नुकसान होता है, तो निकासी की क्या व्यवस्था होगी। सुरक्षा की क्या व्यवस्था होगी। इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक जिले के अग्निशमन विभाग के अधिकारी किस तरह से राहत पहुंचाने का काम करेंगे, नियंत्रण कक्ष किस तरह से लोगों को सूचना देंगे और उनको राहत पहुंचाने का काम करेंगे। युद्ध की स्थिति में बंकरों और खाइयो का निर्माण सीमावर्ती जिलों में किस तरह से किया जाएगा। इसका प्रशिक्षण युद्ध की स्थिति में नागरिक सुरक्षा की योजनाओं को किस तरह से संचालित किया जाना है। जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन, पुलिस और संबंधित एजेंसियों को पूर्व अभ्यास कराया जाएगा। 1971 के बाद कभी भी भारत में इस तरीके की स्थिति नहीं बनी थी। 2025 में युद्ध की स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा, संपत्ति और महत्वपूर्ण स्थलों को बचाने के लिए यह प्रशिक्षण जरूरी है। केंद्र सरकार द्वारा इसके लिए 7 मई का दिन निश्चित किया है। जब देशभर के अधिकांश जिलों में विशेष रूप से जो पाकिस्तान से लगे हुए सीमावर्ती राज्य हैं। उन राज्यों के सभी जिलों में बड़े पैमाने पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिस तरह की स्थितियां भारत और पाकिस्तान के बीच में बनी हैं, उसको देखते हुए यह सतर्कता जरूरी थी।

55 साल की उम्र तक के लोगों ने युद्ध में किस तरह से बचाव करना होता है, यह उनकी जानकारी में नहीं है। जो लोग 55 साल की उम्र से ज्यादा के हैं उन्होंने जरूर 1962, 1965 और 1971 के दौरान हुए युद्ध में युद्ध के दौरान किस तरह से सुरक्षित रहा जा सकता है। इसकी जानकारी उन्हें है। केंद्र सरकार ने जो प्रशिक्षण देने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया है। यह सतर्कता नागरिक सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। जिस तरह से इस मॉक ड्रिल का टेलीविजन चैनलों द्वारा प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, उसको लेकर एक धारणा यह भी बनने लगी है।

ऐतिहासिक निर्णय है जातिगत जनगणना

जमू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा धर्म पूछकर किये गये हिन्दू नरसंहार के बाद जनमानस में उपजे आक्रोष और पाकिस्तान पर कार्यवाही की प्रतीक्षा कर रहा आम जनमानस तथा राजनैतिक दल उस समय हैरान रह गए जब केंद्र सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का बड़ा निर्णय सुनाया। केंद्र सरकार का यह निर्णय आते ही देश का राजनैतिक विमर्श जातिगत जनगणना पर केन्द्रित हो गया। आमजन यद्यपि यह सोच रहा है कि इस समय जब हम आतंकवादियों के शवों की प्रतीक्षा कर रहे हैं उस समय प्रधानमंत्री जी को ये या सूझ पड़ी, किन्तु आश्वस्त है कि प्रधानमंत्री जी ने ऐसा किया है तो अवश्य इसके पीछे कुछ रणनीति होगी। उधर कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन इसे अपनी विजय बताकर प्रसन्नता व्यक्त कर रहा है। कांग्रेस तो इतनी आतुर हो गई कि उसने सोशल मीडिया पर, सरकार उनकी, सिस्टम हमारा कैप्शन के साथ राहुल का प्रचार आरभ कर दिया, फिर उनको याद दिलाना पड़ा कि ये फिल्म में एक खलनायिका द्वारा कहे गए शद हैं जो आतंकवादियों के साथ है।

पहलगाम आतंकी हमले के पश्चात प्रधानमंत्री जी ने कदा रुख अपनाया है और कहा है, हम आतंकवादियों तथा उनके पीछे छुपे लोगों का धरती के अंत तक पीछा करेंगे और सजा देंगे। प्रधानमंत्री ने इस बार पाकिस्तान को कल्पना से अधिक दंड मिलने की बात भी कही है। संभव है, इस प्रक्रिया में समय लगे और लम्बे समय तक युद्ध की परिस्थितियां बनी रहें। उस समय में विपक्ष अपना राजनैतिक अस्तित्व बचाए रखने के लिए क्यादृक्या कर सकता है? स्वाभाविक रूप से जाती जनगणना जैसे मुद्दों को हवा देगा। भारत की अवश्यम्भावी विजय के उपरांत विपक्ष के पास क्या मुद्दा होगा? स्वाभाविक है वो पुन: अत्यंत आक्रामक रूप से जातिगत जनगणना के मुद्दे को उठाएगा यही कारण है कि केंद्र सरकार ने पहले ही जातिगत जनगणना का निर्णय लेकर उन वर्गों की चिंताओं को दूर कर दिया है जो मानती है कि जातिगत जनगणना उनके पक्ष में होगी और जिनको विश्वास में लेकर राहुल गाँधी तथा उनके मित्र देश और समाज का वातावरण बिगाड़ सकते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामाजिक समरसता के विचारों को आत्मसात करते हुए तथा संघ को अपने निर्णय में साथ लेकर केंद्र सरकार ने यह निर्णय लिया है।

कांग्रेस ने जातिगत जनगणना को एक राजनतिक हथियार के रूप में उपयोग करके 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के मिशन 400 को पूरा होने से रोक दिया यद्यपि उसके बाद हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र में भाजपा के नए नारों एक रहेंगे नेक रहेंगे और बटेंगे तो कटेंगे ने परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल दीं। वर्तमान में भारत -पाक के मध्य चल रहे तनाव के समय सरकार द्वारा लिया गया जातिगत जनगणना का निर्णय विपक्ष के लिए तनाव पैदा करने है भले ही इस समय वो इस फैसले को अपनी जीत मानकर जश्न मना रहा है। वास्तविकता यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सहयोगियों व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ मिलकर विरोधी दलों के खतरनाक राजनीतिक एजेंडे पर पॉलटिकिल सर्जिकल स्ट्राइक कर दी है और एक बड़ा मुद्दा उनके हाथों से छीन लिया है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सदन और सदन के बाहर हमेशा यही कहते थे कि जब भी हमें मौका मिलेगा हम संसद से जातिगत जनगणना का प्रस्ताव पारित करवाकर रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जी ने उनके इस कथन का पटाक्षेप कर दिया है और यह भी स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस जातिगत जनगणना पर केवल राजनीति ही करती रही है।

वर्ष 1931 में जब देश में अंग्रेजों की सरकार थी तब जातिगत जनगणना हुई थी, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में अधिकांश समय कांग्रेस की सरकारें ही रहीं किंतु कांग्रेस ने कभी भी जातिगत जनगणना करवाने का साहस नहीं किया अपितु पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह सरकार के गृहमंत्री पी चिदम्बरम तक ने सदन मे खड़े होकर 16 बिन्दुओं को आधार मानकर जातिगत जनगणना का कड़ा विरोध किया था और इसे देशहित के खिलाफ बताया था। यह एक कटु सत्य है किआज जिस कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी जातिगत जनगणना के नाम पर देश को अराजकता की आग में झोकने का प्रयास कर रहे हैं उस कांग्रेस ने जातिगत जनगणना का हमेशा विरोध किया और इसे लागू नहीं होने दिया।

पत्रकार वार्ता में जातिगत जनगणना के निर्णय की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जातिगत जनगणना कराना समता, समरसता, सुशासन और सामाजिक न्याय के एक नये युग का आरंभ है। अब जातिगत जनगणना का मुद्दा पूरी तरह से बीजेपी के पाले में है। भाजपा ने कभी भी जातिगत जनगणना का विरोध नहीं किया। स्मरणीय है कि जब बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री नीतिश कुमार इंडी गठबंधन में शामिल थे और उन्होंने जातिगत जनगणना को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाई थी तब बीजेपी ने भी उस बैठक में भाग लिया था और जातिगत जनगणना का समर्थन किया था यद्यपि बीजेपी को विपक्ष के तौर तरीकों पर आपत्ति थी क्योंकि जनगणना मूलत: केंद सरकार का विषय है और इसमें राज्य सरकारों की कोई भूमिका नहीं है। अभी तक जिन राज्यों में यह जनगणना हुई है वह राजनीति से प्रेरित तथा सामाजिक तनाव बढ़ाने वाली रही है।

केंद्र सरकार की जातिगत जनगणना से पहली बार वास्तविक आंकड़े सामने आयेंगे। इस जनगणना के माध्यम से कई चीजे स्पष्ट हो सकेंगी जिसमें एक यह बड़ा मुददा भी है कि हर जाति के दंबग लोग ही आरक्षण का लाभ उठाते चले आ रहे हैं जबकि उन्हीं जातियों और समाज के अन्य लोग पिछड़ते ही चले जा रहे हैं, उन्हें आरक्षण व सरकार की अन्य सुविधाओं का प्रत्यक्ष लाभ नहीं मिल पा रहा है अर्थात क्रीमिलेयर का भी वास्तविक वर्गीकरण हो सकेगा।

विपक्ष की जातिगत जनगणना केवल हिंदू समाज को जातियों में विभाजित करने की नीयत से थी जबकि मोदी सरकार अब संपूर्णता के आधार पर जातिगत जनगणना कराने जा रही हैं देश के इतिहास में पहली बार मुस्लिम समाज की जातियों की भी जनगणना होने जा रही है। इस जनगणना के माध्यम से धर्मांतरण करने वालों का आंकड़ा भी जुटाया जायेगा। धर्म परिवर्तन करने के कारण देश के कई हिस्सों की जनसंख्या और भौगोलिक संरचना में तेजी से बदलाव देखा गया है ।ऐसे में सरकार के यह भी पता करने का इरादा है कि किन धर्मों और जाति विशेष के लोगों में धर्मांतरण हुआ और किस हिस्से में इसका प्रभाव अधिक है। जातिगत जनगणना का परिणाम सामने आने के बाद सामाजिक आर्थिक स्थिति का सटीक डेटा मिल सकेगा। वंचित समूहों के लिए नीतियां बनाने में मदद मिल सकेगी संसाधनों और अवसरो का समान वितरण हो सकेगा तथा समाजिक असमानता को कम करने में मदद मिलने के साथ जाति व्यवस्था के कारण होने वाले भेदभाव की समस्या का भी समाधान हो सकेगा।

जातिगत जनगणना पर संघ का दृष्टिकोण भी स्पष्ट है कि यदि जातिगत जनगणना का उद्देश्य न्याय और कल्याण है तो समर्थन योग्य है और यदि उसका उद्देश्य राजनीति और समाज को बांटना है तो उसका सदैव विरोध है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस निर्णय का समर्थन किया है। संघ का विचार है कि जाति का अंत आंकड़ों से नहीं, आत्मीयता से होगा लेकिन आंकड़ो के बिना न तो नीति बनेगी न्याय मिलेगा। वैसे भी संघ का मूल कार्य सामाजिक समरसता ही है और वह आगामी समय में सामाजिक समरसता का एक महा अभियान चलाने वाला है। वर्तमान जातिगत जनगणना का स्वरूप संघ के दृष्टिकोण से मेल खाता है।

जातिगत जनगणना की बात सामने आने पर कई विचारक इसमें सनातनी गोत्र को भी जोड़े जाने की मांग कर रहे हैं क्योंकि हिन्दू समाज की रचना में गोत्र, किसी भी समाज के सनातन ऋषि परम्परा से जुडाव को स्थापित करता है। हिन्दू जीवन के सभी सोलह संस्कारों तथा पूजा एवं दान के संकल्प में गोत्र का नाम लिया जाना अनिवार्य होता है।

अव्वल आने की होड़ में छात्रों की आत्महत्याएं चिन्ताजनक

टॉपर संस्कृति के दबाव एवं अव्वल आने की होड़ में छात्रों के द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना एक गंभीर समस्या है। यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में लगातार हो रही छात्रों की दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। पश्चिम बंगाल के आई आई टी खड़गपुर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र मोहम्मद आसिफ कमर का शव उनके हॉस्टल रूम में फंदे से लटका मिला। भुवनेश्वर के कीट में कम समय में दूसरी नेपाली छात्रा की मौत से विश्वविद्यालय की छवि और भारत के विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। नीट के पेपर के तनाव में नूपुर ने नीट पेपर के एक दिन पहले फांसी लगाकर जान देना एवं मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता एवं टॉपर संस्कृति की आत्महंता सोच को ही उजागर करती है। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केन्द्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। यह शिक्षाशास्त्रियों, समाज एवं शासन व्यवस्था से जुड़े हर एक व्यक्ति के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

कोचिंग संस्थानों की बढ़ती बाढ़ एवं गलाकाट प्रतिस्पर्धा में छात्र किस हद तक जानलेवा घातकता का शिकार हो रहे हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं। छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर में अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है, तभी भारत सशक्त होगा, विकसित होगा।

पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े

वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। युवाओं को भी सोचना होगा कि जिंदगी दोबारा नहीं मिलती। इसे यूं ही तनाव में आकर ना गंवाएं, बल्कि जिंदगी में आने वाली कठिनाइयों का डटकर मुकाबला करें। पढ़ाई में असफल रहने के कारण कुछ बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। हर परिवार की अपने बच्चों से ज्यादा अपेक्षाएं होती हैं। अधिकतर युवा जिंदगी में आने वाली समस्याओं को बर्दाश्त नहीं कर पाते और वे अपनी बात किसी से साझा तक नहीं करते। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं तथाकथित समाज एवं राष्ट्र विकास एवं शिक्षा की विडम्बनापूर्ण एवं त्रासद तस्वीर को बयां करती है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों, उच्च शिक्षा संस्थानों एवं कोंचिंग संस्थानों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं हमारी चिन्ता का सबब बनना चाहिए।

वैसे छात्रों की आत्महत्या कोई नई बात नहीं है, ऐसी खबरें हर कुछ समय बाद आती रहती हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में कोचिंग संस्थानों में ही नहीं, आईआईटी जैसे संस्थानों में ही 52 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह संख्या इतनी छोटी भी नहीं कि ऐसे मामलों को अपवाद मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए। बेशक ऐसे हर मामले में अवसाद का कारण कुछ अलग रहा होगा, वे अलग-अलग तरह के दबाव होंगे, जिनके कारण ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या के लिए बाध्य हुए होंगे। ऐसे संस्थानों में जहां भविष्य की बड़ी-बड़ी उम्मीदें उपजनी चाहिए, वहां अगर दबाव और अवसाद अपने लिए जगह बना रहे हैं और छात्र-छात्राओं को आत्महंता बनने को विवश कर रहे हैं तो यह एक काफी गंभीर मामला है। शैक्षणिक दबावों के चलते छात्रों में आत्महंता होने की घातक प्रवृत्ति का तेजी से बढ़ना हमारे नीति-निर्माताओं के लिये चिन्ता का कारण बनना चाहिए। क्या विकास के लम्बे-चौड़े दावे करने वाली भारत सरकार ने इसके बारे में कभी सोचा? क्या विकास में बाधक इस समस्या को दूर करने के लिये सक्रिय प्रयास शुरु किए?

विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निर्माताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी?

पाकिस्तान पर हमला, छत्तीसगढ़ में आतिशबाजी

पहलगाम हमले में मारे गए मिरानिया का परिवार बोला- दुनिया के नक्शे से मिटा दो पाक को, देखिए पब्लिक रिएक्शन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। भारतीय सेना देर रात पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों के 9 ठिकानों पर स्ट्राइक की है। भारत ने बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत बहावलपुर, कोटली और मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

इसके बाद छत्तीसगढ़ से रिएक्शन आने लगे हैं। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए छत्तीसगढ़ के कारोबारी दिनेश मिरानिया के रिश्तेदार अमर बंसल ने कहा कि जवानों ने आतंकियों को जवाब दे दिया है। उन्होंने मांग की है कि दुनिया के नक्शे से पाकिस्तान का नामों निशान मिटा देना चाहिए।

वहीं अंबिकापुर में कांग्रेसियों ने घड़ी चौक पर जमकर आतिशबाजी कर कहा कि आतंकियों को जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दे दिया है। मंत्री ओपी चौधरी ने भी घर के बाहर पटाखे फोड़े। इससे पहले मुख्यमंत्री साय ने हर हर महादेव लिखकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया किया। वहीं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी लिखा कि, सबका बदला लिया जाएगा।

रायपुर में एनएसयूआई ने जयस्तम चौक में प्रदर्श किया। इस प्रदर्शन के दौरान रायपुर ह्स्ट्ठ के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर पटाखे फोड़ कर जश्न मनाया। साथ ही आसपास से गुजर रहे लोगों को मिठाई खिलाया। प्रदर्शन के दौरान रायपुर जिला अध्यक्ष शांतनु झा ने कहा कि पाकिस्तान अगर इसी तरह से आतंकियों को पनाह देकर कायराना हमला करवाते रहेगा तो वह दिन दूर नहीं जब बांग्लादेश की तरह बलूचिस्तान भी आजाद होगा।

पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता मोहम्मद अकबर ने भारतीय सेना की तरफ से पाकिस्तान में चल रहे आतंकी ठिकानों पर हमले को प्रशंसनीय कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि, देशवासी भारतीय सेना के पराक्रम के लिए सदैव उसके आभारी रहेंगे। मोहम्मद अकबर ने कहा कि, आतंकी ठिकानों पर हमला पहलगाम में जान गंवाने वाले 26 बेकसूर नागरिकों को न्याय दिलाने किया गया है। इससे उन लोगों को भी न्याय मिलेगा जो पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद के कारण पीड़ित रहे हैं। भारत की इस कार्रवाई से पाकिस्तान को सबक मिलेगा। उन्होंने पहलगाम हमले में प्राण गंवाने वाले 26 नागरिकों को शहीद का दर्जा देने की अपनी मांग दोहराई है।

अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष माधव लाल यादव ने कहा कि, भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया, तो मन को सुकून मिल रहा है। 22 अप्रैल को मन उदास हो गया था। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेना के जवानों को धन्यवाद देता हूं। मैं मोदी जी से आग्रह करता हूं कि पूरे पाकिस्तान को ख़त्म कर दे।

छत्तीसगढ़ धोबी समाज के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने कहा कि, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मैं प्रधानमंत्री और देश के रक्षा मंत्री का धन्यवाद करना चाहता हूं। पाकिस्तान के साथ हमारा देश जो भी कर रहा है बहुत अच्छा कर रहा है। हम यही चाहते हैं कि जो आतंकवादी है, उन्हें मारे जाए जो बेगुनाह नागरिक हैं, उन्हें ना मारे जाए। भारत माता की जय।

महिला उत्पीड़न प्रकरणों की सुनवाई 13 मई को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग अधिनियम की धारा 10 (3) प्रदत्त शक्ति के अनुपालन में आवेदिका, अनावेदक को सुनवाई में आवेदिका, अनावेदक को उपस्थित कराने हेतु संबंधित थाना प्रभारी को आवश्यक रूप से निर्देशित कर नोटिस तामिल कराकर पावती छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें। सुनवाई तिथि में एक जिम्मेदार अधिकारी, एक आरक्षक एवं एक महिला आरक्षक की ड्यूटी लगाने का कष्ट करें। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग में महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं जिला कोरिया से प्राप्त प्रकरणों की एक साथ सुनवाई आयोग की गठित न्यायपीठ द्वारा माननीय अध्यक्ष डॉ. किरण मयी नायक एवं माननीय सदस्य श्रीमती प्रियम्वदा सिंह जूदेव के द्वारा की जानी है। सुनवाई तिथि 13 मई 2025, सुनवाई स्थान-स्वराजीय सभाकक्ष (एसडीएम) कार्यालय मनेन्द्रगढ़, सुनवाई समय-प्रातः 11:00 बजे, निर्धारित प्रकरण 18 तथा सुनवाई की संख्या-6 है।

लेखन सामग्री आपूर्ति के लिए सीलबंद निविदाएं आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला प्रशासन द्वारा आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लेखन कार्य एवं संबंधित सामग्री की आपूर्ति हेतु पंजीकृत एवं योग्य आपूर्तिकर्ताओं से सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक अपनी निविदा फार्म 22 मई 2025 को दोपहर 1 बजे तक पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट के माध्यम से कार्यालय में जमा कर सकती हैं। निविदाएं उसी दिन दोपहर 3 बजे कार्यालय के कक्ष क्रमांक 02 में उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा फॉर्म का शुल्क 100 रुपए निर्धारित है, जो डिमांड ड्राफ्ट के रूप में कलेक्टर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के नाम संलग्न करना अनिवार्य है। निविदा से संबंधित शर्तें एवं आवेदन प्रपत्र कार्यालय की अधिकृत वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

जिला स्तरीय सुशासन तिहार में लापरवाही बरतने पर ग्राम सचिव निलंबित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर पूरे छत्तीसगढ़ में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। सुशासन तिहार का तीसरा चरण चालू हो गया है। 6 मई 2025 को जिले के दूरस्थ तहसील कोटाडोल में सुशासन तिहार 2025 शिविर का आयोजन किया गया था। अधिकारी-कर्मचारी सुशासन तिहार के अंतर्गत आमजनों को राहत पहुंचाने का काम कर रहे हैं, वहीं कुछ इस पर लापरवाही भी बरत रहे है।

कमर्जी ग्राम सचिव श्री मूरत सिंह द्वारा ग्राम पंचायत में संधारित दस्तावेजों के रखरखाव में लापरवाही बरतने पर जिला पंचायत सीईओ ने तत्काल निलंबित कर दिया। श्री मूरत सिंह सचिव ग्राम पंचायत कमर्जी, जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ जिला-एमसीबी (छ.ग.) को छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (आचरण) 1998 के नियम 3 एवं छत्तीसगढ़ ग्राम पंचायत (सचिव की शक्तियों तथा कृत्य) नियम 1999 के नियम 4 का उल्लघंन करने के कारण छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय, रायपुर के ज्ञापन क्रमांक/3640/(ए)/पंग्राविवि/22 2008 रायपुर 29 अगस्त 2008 के द्वारा प्रछत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 के नियम 4(क) एवं (ख) के तहत अुशासनिक कार्यवाही प्रयोजनार्थ तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में उक्त ग्राम पंचायत सचिव का मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत भरतपुर जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) निर्धारित किया जाता है।

बिलासपुर में गोली चली, युवक घायल, पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के लमेर घाट में गोली चल गई। एक युवक के पैर में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को बिलासपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार घायल युवक गिरजाशंकर (दीपक) यादव ग्राम लमेर का निवासी है। उसे प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति में अस्पताल ले जाया गया। घायल को अस्पताल पहुंचाने और भर्ती कराने वाले युवक की पहचान छबि यादव के रूप में हुई है।

एडिशनल एसपी राजेंद्र जायसवाल के अनुसार घायल गिरजाशंकर यादव उर्फ दीपक यादव से पूछताछ करने पर उसने पुलिस को बताया कि 5 मई की शाम 6-7 बजे के आस-पास वह अपने दोस्त दीपक रजक के साथ गांव में ही घूम रहा था। गांव में ही दीनू भोई के दुकान के पास दोनों को उनका दोस्त छबि यादव मिला।

वहीं बातचीत के दौरान छबि यादव ने आने दोस्तों को पिस्तौल दिखाई, जो कि गिरजाशंकर और दीपक रजक को यह नकली पिस्तौल लगी। उसके बात छबि यादव के हाथ से ही दुर्घटनावश पिस्तौल का ट्रिगर दब गया और गोली गिरजाशंकर यादव के बाएं पैर पर लगी।

घायल गिरजाशंकर यादव उर्फ दीपक यादव वर्तमान में खतरे से बाहर है। पुलिस ने छबि यादव की निशानदेही पर पिस्टल को बरामद कर लिया गया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है कि छबि यादव के पास पिस्तौल कहां से आई?

बस्तर संभाग में अगले 5 दिन बारिश का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिनों तक दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर संभाग के जिलों में तेज हवाएं चलेंगी गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। ओले भी गिर सकते हैं। अगले 24 घंटों तक उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में बदलाव नहीं होगा। आज से रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर संभाग में अगले 4 दिन अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है।

प्रदेश में पिछले 24 घंटों में एक-दो जगहों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। मंगलवार को सबसे गर्म रायपुर रहा। यहां अधिकतम तापमान 38.6एष्ट रिकॉर्ड किया गया।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण मौसम में आए बदलाव से पिछले 10-12 दिनों से प्रदेश का तापमान सामान्य से करीब 6-7 डिग्री तक कम है।

मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर डिस्टरबेंस (पक्षिमी विक्षोभ) और ट्रफ दक्षिण-पश्चिम राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़, झारखंड और सिक्किम होते हुए उत्तरी बांग्लादेश तक बना हुआ है। जिसका असर छत्तीसगढ़ में भी रहेगा। खास तौर पर बस्तर संभाग में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। गरज चमक के साथ 30-40 किमी की रफ्तार हवा चल सकती है।

क्या होता है वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ)?

वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) कैस्पियन या भूमध्य सागर से बनने वाले तूफान होते हैं। ये भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में बारिश और ठंड लाने का काम करते हैं। असल में ये हवाएं बर्फीली होती हैं, जो अपने साथ नमी लेकर आती हैं।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) भूमध्यसागर से निकलती हैं। इसके बाद ये ईरान, इराक, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होते हुए सीधा भारत पहुंचती हैं। यहां पहुंचते ही यह मैदानी इलाकों में अपना असर दिखाने लगती हैं।

रायपुर में आज सुबह से मौसम साफ है। आज भी मौसम धूप-छांव वाला रह सकता है। कहीं-कहीं गरज चमक के साथ बारिश हो सकती है। दिन का पारा 39 डिग्री और रात का तापमान 25 डिग्री के आस-पास रहने की संभावना है।

मंगलवार को दिन का तापमान 38.6 डिग्री रहा जो सामान्य से 2.5 डिग्री कम था, जबकि न्यूनतम तापमान 24.7 डिग्री रहा। यह भी औसत से 2.2 डिग्री कम था।

मंगलवार को बिलासपुर में अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से करीब 5.5 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। रात का तापमान सामान्य से 4.7 डिग्री कम रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक सरगुजा संभाग में एक दो जिलों में अंधड़ चल सकती है। बारिश के भी आसार हैं। मंगलवार को संभाग के जिलों में भी दिन का तापमान सामान्य से कम रहा। अंबिकापुर में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री रहा जो औसत से करीब 5 डिग्री कम था। वहीं न्यूनतम तापमान 19.9 डिग्री रहा जो नॉर्मल टेम्प्रेचर से 4.7 डिग्री कम था।

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 में संशोधित प्रावधान के अनुसार, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के परिशिष्ट-1 की कंडिका-6(क)(1) के तहत प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत करने का प्रावधान किया गया है। इसके तहत ग्राम बंजी तहसील मनेन्द्रगढ़ में जवाहिर सिंह की मृत्यु पानी में डूबने के कारण हो गया था जिससे उनके पुत्र बलराम को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार, धनमती पति नन्दलाल निवासी ग्राम सेंधा उप तहसील नागपुर की मृत्यु पानी में डूबने के कारण हो गया था जिससे मृतिका के पति नन्दलाल को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार नागपुर उप तहसील के ग्राम हस्तिनापुर निवासी अमीन की जहरीले सर्प के काटने से हुई मृत्यु हो जाने पर उनके पिता दलसाय को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार चिरमिरी तहसील के ग्राम जड़हरी बहडोलपारा निवासी भावना सिंह की मृत्यु पानी में डूबने के कारण हो गया था जिससे उनके पिता इन्द्रभान सिंह को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। उपरोक्त स्वीकृत राशि का व्यय मांग संख्या-58 मुख्य शीर्ष-2245 प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में विकलनीय होगा।

हाईकोर्ट बोला- मातृत्व अवकाश छूट नहीं बल्कि मौलिक अधिकार है

कहा-जैविक, सरोगेसी और गोद लेने वाली मां में भेदभाव गलत, 180 दिन की एडॉप्शन लीव के आदेश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा है कि मां बनना किसी भी महिला के जीवन की खूबसूरत घटना होती है, ऐसे में मातृत्व अवकाश (मैटरनिटी लीव) छूट नहीं। बल्कि यह मौलिक अधिकार है। लीव अप्रूव करते समय जैविक, सरोगेसी और गोद लेने वाली मां में भेदभाव नहीं किया जा सकता। अवकाश से वंचित करना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

जस्टिस विभू दत्त गुरु की सिंगल बेंच ने अपने फैसले में 2 दिन की नवजात बच्ची को गोद लेने वाली महिला अधिकारी को 180 दिन की चाइल्ड एडॉप्शन लीव देने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें सिर्फ 84 दिन की छुट्टी दी गई थी।

रायपुर के ढ्ढढ्ढरू में कार्यरत महिला अधिकारी ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, इसमें बताया कि उनकी नियुक्ति ढ्ढढ्ढरूमें साल 2013 में हुई थी। वे वर्तमान में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उनकी शादी 2006 में हुई थी, लेकिन बच्चे नहीं हुए।

20 नवंबर 2023 को उन्होंने 2 दिन की नवजात बच्ची को गोद लिया। इसके बाद 180 दिन की छुट्टी के लिए आवेदन किया, लेकिन संस्थान ने 18 दिसंबर 2023 को यह कहते हुए मना कर दिया कि मानव संसाधन नीति में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। सिर्फ 60 दिन की परिवर्तित छुट्टी दी गई।

महिला अधिकारी की तरफ से पैरवी करते एडवोकेट ने बताया कि संस्थान की नीति में स्पष्ट है कि जहां नियम मौन हो, वहां केंद्र सरकार के नियम लागू होंगे। केंद्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम 1972 के नियम 43-बी और 43-सी के तहत वह 180 दिन की छुट्टी की हकदार हैं। उन्होंने कई बार उच्च अधिकारियों से अनुरोध किया, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

इसके बाद राज्य महिला आयोग से संपर्क किया। आयोग की सिफारिश के बावजूद संस्थान ने सिर्फ 84 दिन की छुट्टी दी। हाईकोर्ट ने याचिका मंजूर करते हुए कहा कि महिला अधिकारी को पहले ही 84 दिन की छुट्टी दी जा चुकी है। अब बाकी 96 दिन की छुट्टी भी दी जाए।

हाईकोर्ट ने कहा है कि मातृत्व अवकाश सिर्फ लाभ नहीं, बल्कि अधिकार है। जैविक, सरोगेट या गोद लेने वाली मां में कोई फर्क नहीं किया जा सकता। नवजात को मां की देखभाल की जरूरत होती है। उसे पालन-पोषण की जरूरत होती है और यही वह सबसे महत्वपूर्ण अवधि होती है, जिसमें बच्चे को मां की जरूरत होती है।

बच्चे के जीवन के पहले वर्ष में बहुत कुछ सीखने को मिलता है, बच्चा भी बहुत कुछ सीखता है। स्नेह का बंधन भी विकसित होता है, ऐसे में उसे दूसरों की दया पर नहीं छोड़ा जा सकता। मातृत्व अवकाश से वंचित करना जीवन के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।

रायगढ़ में शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 91 लाख ठगे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पावर प्लांट के अधिकारी से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 91 लाख रुपए की ठगी हो गई। मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक बोतल्दा के रहने वाले राजेश गबेल को 22 फरवरी 2024 को वॉट्सएप लिंक के माध्यम से एक ग्रुप में जोड़ा गया। जहां शेयर ट्रेडिंग के जरिए अच्छे मुनाफे का लालच दिया गया। राजेश ठगबाजों के जाल में फंस गया। उसे समारा प्रो एप डाउनलोड कराया। इसके बाद ठगों ने किस्त में रुपए लेकर 91 लाख रुपए निवेश करा लिए और जब राजेश ने निवेश किए गए शेयरों को बेचने का प्रयास किया, तो शेयर नहीं बेचा सका।

ऐसे में उसे ठगी का एहसास होने लगा। इसके बाद राजेश ने अपने स्तर पर समारा प्रो एप की बारे में जानकारी ली। लेकिन कुछ पता नहीं चला। पीड़ित ने खरसिया थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। जहां पुलिस ने मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले में जांच शुरू की।

जांच में यह बात सामने आई कि राजेश के रुपए देहरादून स्थित बैंक के खातों में ट्रांसफर हुए हैं। जिसके बाद पुलिस देहरादून पहुंची। जांच करने पर देहरादून के खाता धारक शेखर थपलियाल (34) पता चला। ऐसे में पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और पूछताछ में कुलदीप सिंह रावत और आशीष अग्रवाल का नाम सामने आया है। जिसके बाद पुलिस ने लोकल पुलिस की मदद से दोनों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद पूछताछ में पता चला कि आशीष अग्रवाल अलग-अलग लोगों से बैंक अकाउंट और मोबाइल नंबर लेकर उन्हें कमीशन देकर उनके मोबाइल नंबर से लिंक शेयर करता था। तब फर्जी ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बनाता था। ताकि पकड़े जाने पर वह नहीं पकड़ाए।

जांच में यह बात भी सामने आई कि इस गिरोह के उपयोग किए गए मोबाइल नंबरों के खिलाफ उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों में 55 ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज है।जिसमें करीब 6 करोड़ रुपए के लेन देन का रिकॉर्ड है। आरोपियों के पास से 3 मोबाइल फोन, आईडीएफसी बैंक का संयुक्त खाता, चेकबुक और सील जब्त की गई है।

बिजली के टूटे तार से मां-बेटी की मौत, बेटा भी झुलसा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव जिले के माकड़ी ब्लॉक स्थित ग्राम बड़े सोहंगा में बिजली के टूटे तार से दो महिलाओं की मौत हो गई। दोनों मां-बेटी हैं। घटना आज सुबह की है।

बासबती बघेल (45) आम के पेड़ के पास कपड़े सुखाने गई थी। वहां बिजली का टूटा तार पड़ा था। करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बेटी को बचाने आई उसकी मां फगनी बघेल (70) भी करंट की चपेट में आ गई। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

दोनों को बचाने पहुंचा बासबती का बेटा भी करंट की चपेट में आ गया। वह गंभीर रूप से घायल है। माकड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच कर रही है।

पाकिस्तान का झूठा दावा- 3 राफेल और 2 एमआईजी गिराए

कश्मीर (एजेंसी)। भारत की एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने सोशल मीडिया पर झूठ फैलाना शुरू कर दिया है। अब एक-एक करके ये सभी झूठ पकड़े जा रहे है। पाकिस्तान ने कहा कि उसने भारत के 3 राफेल और 2 मिग विमान को मार गिराया है। ये दावा सोशल मीडिया पर पाकिस्तान समर्थित यूजर्स ने सालों पुरानी फोटोज के जरिए किया है। एयर स्ट्राइक के बाद सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी यूजर्स ने 9 महीने पुरानी एक वीडियो शेयर किया। इसके जरिए दावा किया जा रहा कि पाकिस्तान ने भारत का 3 राफेल गिरा दिया। हालांकि सच्चाई ये है कि जिस वीडियो को शेयर किया जा रहा है, वह 3 दिसंबर 2024 का है। जब राजस्थान में इंडियन एयरफोर्स का मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। रिवर्स इमेज सर्च में यह दावा पूरी तरह फेक साबित हुआ।

देश के 18 एयरपोर्ट्स पर ऑपरेशन बंद

श्रीनगर/जयपुर/अमृतसर/अहमदाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद भारत ने 7 राज्यों के 18 एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट्स ऑपरेशन बंद कर दिए हैं। इनमें से बड़े एयरपोर्ट श्रीनगर, जम्मू, लेह, चंडीगढ़, बीकानेर, जोधपुर, राजकोट, धर्मशाला, अमृतसर, भुज और जामनगर हैं। यह एयरपोर्ट्स पाकिस्तान बॉर्डर से लगे हुए हैं। हालांकि अस्थायी रूप से बंद 11 एयरपोर्ट के नाम दिए हैं, 7 के नाम सामने नहीं है। एअर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट, एयर इंडिया एक्सप्रेस, आकासा एयर और कुछ विदेशी एयरलाइंस ने करीब 200 फ्लाइट्स को कैंसिल किया है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान के कई जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। करतारपुर कॉरिडोर को भी बंद कर दिया गया है। यहां से सिख श्रद्धालु पाकिस्तान में करतारपुर साहिब के दर्शन करने जाते थे। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पोक में 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं।

आंधी-बारिश से गुजरात में 14, बिहार में 5 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने बुधवार को देश के 26 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान का अलर्ट जारी है। मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में ओलावृष्टि की भी चेतावनी है। गुजरात में भी मौसम की मिजाज बिगड़ा हुआ है। आंधी-बारिश से जुड़ी घटनाओं में राज्य में अबतक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के कई जिलों में बुधवार को भी आंधी-बारिश के आसार है। बिहार में पिछले दिनों में आसमानी बिजली की चपेट में आने से 5 लोगों की मौत हुई। मंगलवार को भी राज्य के कई इलाकों में 70-110 केएमपीएच की रफ्तार से आंधी चली। मध्य प्रदेश में बीते दो दिन में कई जिलों में बारिश हुई और तेज आंधी चली।

प्रधानमंत्री श्री मोदी को पहलगाम आंतकी हमले के मुंहतोड़ जवाब पर बधाई-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जो कहते हैं वह होता है। हमारी सेना भी जगत जननी मां जगदंबा नवदुर्गा के समान शक्ति संपन्न है, जो दुश्मनों का समूल नाश करने में सक्षम है। पाकिस्तान के 9 आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सेना ने मुंह तोड़ जवाब दिया है। इससेपूरा देश गौरवान्वित है। ऑपरेशन सिंदूर नाम से ही स्पष्ट है, सिंदूर पर हाथ लगाने और गलत निगाह दौड़ने वाले को भारतीय सेना ने जवाब दिया है। वह

दृश्य अपने सामने दिखाई दे रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा था कि हर वह स्थान और हर वह व्यक्ति जो भारत की तरफ गलत निगाह से देखेगा उसे मिट्टी में मिला देंगे। यह परिणाम सबने देखा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी को आतंकी खातमे के इस जबर्दस्त प्रहार की कोटिश: बधाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय रक्षा मंत्री, गृहमंत्री, सरकार और पूरे भारतवासी जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में एकजुटता दिखाई, वह सबके लिए गौरव का विषय है। हम सब प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के हर कदम के साथ है। हमारे देश के दुश्मनों को सबक सिखाते हुए भारतीय वीरता का जो परचम फहराया गया है, यह हम सब भारतवासियों के लिए गर्व का आधार है।

ऑपरेशन सिंदूर-7 मिनट में 9 आतंकी ठिकाने तबाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक के करीब 9 घंटे बाद सरकार, सेना और एयरफोर्स के अफसरों ने घटना की जानकारी दी। बुधवार सुबह 10:30 बजे मीडिया ब्रीफिंग से पहले एयर स्ट्राइक का 2 मिनट का वीडियो प्ले किया गया। इसमें बताया गया कि मंगलवार रात 1:04 बजे से 1:11 बजे के बीच 7 मिनट में 9 टारगेट तबाह किए गए। हालांकि ऑपरेशन पूरा होने में कुल 25 मिनट का समय लगा। देश के इतिहास में पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी मौजूद थे। विदेश सचिव

विक्रम मिसरी ने कहा- पहलगाम हमला कायरतापूर्ण था। इसमें परिवार के सामने लोगों की हत्या की गई, उनके सिर में गोली मारी गई। बचे हुए लोगों से कहा गया कि वे इस हमले का संदेश पहुंचाएं। पिछले साल सवा 2 करोड़ से ज्यादा पर्यटक कश्मीर आए थे। हमले का मकसद था कि कश्मीर के विकास और प्रगति को नुकसान पहुंचाकर पिछड़ा बनाए रखा जाए।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 5 करोड़ की गोल्ड लूट

समस्तीपुर (एजेंसी)। समस्तीपुर में बुधवार को बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 5 करोड़ के सोने की लूट हुई है। जानकारी के मुताबिक, बदमाश 15 लाख कैश भी लेकर भागे हैं। घटना नगर थाना क्षेत्र के काशीपुर स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र की है। बैंक डिप्टी मैनेजर शशिभूषण कुमार ने बताया, सुबह साढ़े 11 बजे हम लोग बैंक में काम कर रहे थे। इसी दौरान 8 से 9 की संख्या में बदमाश आए। कुछ बदमाश बाहर भी खड़े थे। 45 मिनट तक लूटपाट की। गन पॉइंट पर लॉकर खुलवाए। करीब 15 लाख कैश और 5 करोड़ के गोल्ड लेकर फरार हो गए।% घटना की जानकारी मिलते ही सदर छ्रस्क्क संजय पांडे मौके पर पहुंचे। आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अपराधियों की पहचान के लिए बैंक के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। बैंक के डिप्टी मैनेजर ने बताया, %सुबह करीब 11:30 बजे पहले 2-2 की संख्या में बदमाश अकाउंट खुलवाने के नाम पर अंदर आए। पूछा कि क्या-क्या डॉक्यूमेंट चाहिए होगा। इस पर हम लोग बात कर रहे थे।% इसी दौरान 7 और बदमाश अंदर घुस गए। सभी लोगों को गन पॉइंट पर ले लिया और बैंक के काउंटर में रखे 15 लाख के अलावा करीब 5 करोड़ रुपए का गहना लूट कर ले गए। इस दौरान बदमाशों ने सभी बैंक कर्मी का मोबाइल भी ले लिया।%? घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश आराम से फरार हो गए। मार्केट में यह बैंक स्थित है। उसके नीचे कई दुकानें भी हैं, लेकिन लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी।%

मोदी-मुर्मू मुलाकात-'ऑपरेशन सिंदूर' पर उच्च स्तर की जानकारी साझा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें पाकिस्तान तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों के सटीक हमलों के बारे में जानकारी दी। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में, भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित जिन आतंकी ठिकानों पर हमला किया उनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और

लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल हैं।

राष्ट्रपति कार्यालय ने बैठक की तस्वीरें साझा कीं और 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले के दो सप्ताह बाद ये मिसाइल हमले किए गए। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी।

भारतीय हमले बाद बढ़ा पाकिस्तान का खौफ,पीएम शरीफ ने उच्च स्तरीय कैबिनेट बैठक बुलाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक में बुधवार को भारतीय मिसाइल हमले से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की गई। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर संसद को संबोधित कर सकते हैं। भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें कैबिनेट मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, सभी सेनाओं के प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

एनएससी की बैठक दो घंटे से अधिक समय तक चली और सुरक्षा स्थिति पर विस्तार

से चर्चा की गई। हालांकि, बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की गई। शरीफ ने घटनाक्रम पर आगे चर्चा करने के लिए दोपहर 3:30 बजे कैबिनेट की बैठक बुलाई है।

मोदी बोले- 2040 तक भारतीय एस्ट्रोनॉट चांद पर जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने कहा- भारतीय एस्ट्रोनॉट 2040 तक चंद्रमा पर पहुंचेगा। आने वाले हफ्तों में एक भारतीय इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में जाने वाला है। भारत के लिए यह गर्व की बात है। चंद्रमा के अलावा मंगल और शुक्र भी हमारे रडार पर हैं।

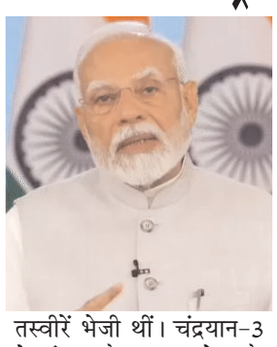

पीएम बुधवार को स्पेस एक्सप्लोरेशन पर ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। पीएम ने कहा कि चंद्रयान- 1 ने चंद्रमा पर पानी की खोज में मदद की। चंद्रयान-2 मिशन कामयाब रहा। चंद्रयान-2 हाई रेजोल्यूशन

तस्वीरें भेजी थीं। चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के साउथ पोल के बारे में हमारी समझ और बढ़ाई है। हमने रिकॉर्ड टाइम में क्रायोजनिक इंजन बनाया है। हमने एक ही लॉन्चिंग में 100 सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे। हम 34 देशों के 400 से ज्यादा सैटेलाइट्स भेज चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा, अंतरिक्ष सिर्फ एक गंतव्य नहीं है। यह जिज्ञासा, साहस और सामूहिक प्रगति की घोषणा है। भारतीय अंतरिक्ष यात्रा इसी भावना को दर्शाती है। 1963 में एक छोटे रॉकेट को लॉन्च करने से लेकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बनने तक, हमारी यात्रा उल्लेखनीय रही है। अंतरिक्ष में भारत की जर्नी सराहनीय है। हमारे रॉकेट पेलोड से कहीं ज्यादा ले जाते हैं। भारत के पूर्व छात्र महत्वपूर्ण वैज्ञानिक मील के पत्थर हैं।

बेकाबू पिकअप खाई में गिरी, 4-बच्चों सहित 5 की मौत

राजसमंद (एजेंसी)। राजसमंद में एक पिकअप बेकाबू होकर 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 4 बच्चों सहित 5 लोगों की मौत हो गई। करीब 15 लोग घायल हो गए। हादसा भीम थाना क्षेत्र में मंगलवार रात करीब 7:30 बजे हुआ।

सभी घायलों को भीम के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया गया। इनमें से गंभीर हालत होने पर 9 लोगों को ब्यावर रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार, पाली में मारवाड़ के बोरीमादा सारण गांव का एक परिवार मायरा लेकर राजसमंद के भीम क्षेत्र के दर्रा गांव जा रहा था। परिवार के करीब 35 लोग 2 पिकअप गाड़ी में सवार थे। भीम थाना सर्किल के टिबाणा और थानेटा गांव के पास आगे चल रही पिकअप की सापट टूट गई। वह बेकाबू होकर खाई में गिर गई। इस पिकअप में 20 लोग सवार थे। इनमें से चार बच्चों और एक युवक की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर भीम थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

सुप्रीम कोर्ट ईडी की पावर पर पुर्नविचार करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय को 2022 में अरेस्ट और प्रॉपर्टी जब्त करने की ताकत दी थी। अब इसी फैसले पर पुनर्विचार के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 3 जजों की नई बेंच बनाई, जो आज सुनवाई करेगी। इस नई बेंच में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह होंगे। पहले इस मामले को जस्टिस कांत, जस्टिस भुइयां और जस्टिस सीटी रविकुमार देख रहे थे, लेकिन जस्टिस रविकुमार 5 जनवरी को रिटायर हो गए, इसलिए नई बेंच बनाई गई। पूरा मामला क्या है? दरअसल इस पूरे मामले में सबसे पहले कोर्ट ने 2022 में सुनवाई शुरू की, जब देशभर में 200 से ज्यादा याचिकाएं दाखिल हुई। इन याचिकाओं में (प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की कई धाराओं को चुनौती दी गई थी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में जश्न का माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत द्वारा पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिए जाने के बाद से भारत में खुशी और गर्व का माहौल है। आम नागरिकों से लेकर राजनीतिक कार्यकर्ताओं तक, हर कोई इस सफलता को अपने-अपने अंदाज में मना रहा है।

अजमेर की सड़कों पर लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। आम नागरिक और क्ष्छ्रक्क के कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर सड़कों पर उतर आए। उन्होंने पटाखे फोड़े, एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाईं और भारत माता की जय% के नारे लगाए। लोगों का कहना था कि भारत सरकार ने आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर सबक सिखाया है। अजमेर के कई इलाकों में उत्सव जैसा माहौल था, जहाँ स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी को सलाम किया। लोगों ने कहा कि मोदी सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यह नया भारत है, जो बातें कम करता है और कार्रवाई पर ज्यादा ध्यान देता है। दरगाह दीवान के उत्तराधिकारी सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने इस सैन्य कार्रवाई की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने वही किया, जिसकी उनसे उम्मीद थी।

पाकिस्तान को उसी की भाषा में करारा जवाब दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारी सेना ने जो कदम उठाया, वह देश के हर नागरिक के दिल की आवाज थी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को पहलगाम में विधवा हुई बहनों के बदले का नाम बताया।

संभल की अदालत ने राहुल गांधी को उनकी टिप्पणी को लेकर नोटिस जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संभल की एक अदालत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को बुधवार को नोटिस जारी कर उनसे ''इंडियन स्टेट से लड़ाई वाले उनके बयान को लेकर 16 जून तक जवाब दाखिल करने को कहा है। अपर जिला न्यायाधीश (एडीजे-द्वितीय) आरती फौजदार ने हिंदू शक्ति दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता द्वारा दायर शिकायत पर यह नोटिस जारी किया है। राहुल गांधी ने इसी साल 15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने देश की हर संस्था पर कब्जा जमा लिया है और कहा, ''हमारी लड़ाई अब भाजपा, आरएसएस से ही नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट (भारतीय राज व्यवस्था) से भी है। गुप्ता ने 'पीटीआई-भाषा से कहा, ''पिछली 15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान राहुल गांधी ने कहा था कि हमारी लड़ाई केवल आरएसएस और भाजपा से नहीं बल्कि भारत राज्य से भी है। हिंदू शक्ति दल प्रमुख ने कहा कि यह टिप्पणी देश के नागरिकों और लोकतंत्र के प्रति अनादर को दर्शाती है।

सिंदूर ऑरपरेशन पर खड़गे का बयान - पार्टी सरकार के इस कदम का समर्थन करती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऑपरेशन सिंदूर पर बयान देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान के खिलाफ सरकार के इस कदम का पूरी तरह से समर्थन करती है। खड़गे ने कहा कि देश की सेफ्टी और आतंकवाद के खिलाफ कोई भी कड़ी कार्रवाई उचित है। पार्टी सरकार के इस दिशा में उठाए गए हर कदम में साथ खड़ी है।

खड़गे ने कहा, हमारी प्राथमिकता हमेशा देश की सुरक्षा रही है। यदि सरकार आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है, तो कांग्रेस इसका समर्थन करती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी देश की सीमा की रक्षा

के लिए किसी भी कदम का समर्थन करेगी, बशर्ते वह राष्ट्रीय हित में हो।

कांग्रेस अध्यक्ष ने यह बयान उस समय दिया जब भारत की वायुसेना ने पोक में एयरस्ट्राइक करके आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बहावलपुर में स्थित जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकाने पर सटीक हमला किया, जिससे पूरी इमारत ध्वस्त हो गई। यह वही स्थान था जहां 2019 के पुलवामा हमले की योजना बनाई गई थी। इस हमले को पुलवामा, उरी और 26/11 हमलों का बदला माना जा रहा है। भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर ऑपरेशन किया है। इस ऑपरेशन में जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य मारे गए हैं। इस पर मसूद अजहर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अगर मैं भी मर जाता तो अच्छा था।

ऑपरेशन सिंदूर-भारत ने पहलगाम हमले का बदला लिया

नई दिल्ली। आखिरकार भारत ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर ही दी। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार आधी रात 1:05 बजे पाकिस्तान और पीओके, यानी पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर एयर स्ट्राइक की। इस हमले में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। भारत की ये जवाबी कार्रवाई पहलगाम हमले के 15 दिन बाद की गई है और इसका नाम दिया है 'ऑपरेशन सिंदूर'। ये नाम उन महिलाओं को समर्पित है, जिनके पतियों की पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हत्या कर दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कैबिनेट बैठक में पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए तीनों सेनाओं की तारीफ की। ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि ये नया भारत है। पूरा देश हमारी ओर देख रहा

था। ये तो होना ही था। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा- भारत ने 24 मिसाइलें दागी हैं।

पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर को पूरी रात मॉनिटर करते रहे।

सेना ने एयर स्ट्राइक के 9:30 घंटे बाद सुबह 10:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिसरी और आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स से विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। सबसे पहले एयर स्ट्राइक का 2 मिनट का वीडियो प्ले किया गया। इसमें आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई दिखाई गई।

कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि रात 1:05 बजे और 1:30 बजे के बीच ऑपरेशन हुआ। 25 मिनट में पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट पहचाने गए थे। इन्हें हमने तबाह कर दिया। लॉन्चपैड, ट्रेनिंग सेंटर्स टारगेट किए गए।

आयुष म्हात्रे के अलावा इन खिलाड़ियों पर लगेगी बड़ी बोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 मुंबई लीग की नीलामी में बुधवार को जब 280 खिलाड़ियों की बोली लगेगी तो उभरते सितारे आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी और तनुश कोटियन आकर्षण का केंद्र होंगे।

आठ टीमों वाली लीग का तीसरा सत्र 26 मई से आठ जून तक वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

आईपीएल के वर्तमान सत्र में शानदार प्रदर्शन करके क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी तरफ खींचने वाले 17 वर्षीय म्हात्रे के अलावा रघुवंशी, कोटियन और मुशीर खान पर भी बड़ी बोली लगने की संभावना है।

इस पूल में घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले सिद्धेश लाड और शम्स मुलानी जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। टीमों ने पहले ही आइकन खिलाड़ियों को अपनी-अपनी टीम में शामिल कर लिया है। जिसमें सूर्यकुमार यादव (ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट), अजिंक्य रहाणे (बांद्रा ब्लास्टर्स), श्रेयस अय्यर (सोबो मुंबई फाल्कन्स), पृथ्वी शॉ (नॉर्थ मुंबई पैंथर्स), शिवम दुबे (एआरसीएस अंधेरी), शार्दुल ठाकुर (ईग ठाणे स्ट्राइकर्स), सरफराज खान (आकाश टाइगर्स मुंबई वेस्टर्न सबर्ब्स) और तुषार देशपांडे (मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स) शामिल हैं।

फील्डिंग में गुजरात टाइटंस की तरफ से हुई भारी गलती, कप्तान शुभम गिल भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के 56वें मुकाबले में आज मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। गुजरात को शुरुआत तो अच्छी मिली, लेकिन वानखेड़े स्टेडियम में जीटी ने फील्डिंग से निराश किया। पावरप्ले खत्म होने तक मुंबई ने 2 विकेट खोकर 56 रन बनाए। हालांकि, पहले 6 ओवर में गुजरात के फील्डर्स ने 3 कैच टपका दिए। गुजरात की ओर से पहला ओवर मोहम्मद सिराज ने किया। ओवर की दूसरी गेंद पर ही उन्होंने रियान रिकेल्टन का विकेट चटकाया। ऐसे में 3 नंबर पर बल्लेबाजी करने विल जैक्स आए। जैक्स खाता तक नहीं खुला था और चौथी गेंद पर उन्होंने शानदार ड्राइव लगाई। गेंद हवा में थी और कवर पर खड़े साई सुदर्शन ने इस आसान से कैच को ड्रॉप कर दिया। सिराज पहले ही ओवर में 2 विकेट चटका सकते थे हालांकि, ऐसा नहीं हो पाया। अब देखना होगा ये कैच कितना भारी पड़ता है।

इसके साथ ही जीटी की ओर से 5वें और छठे ओवर में भी लापरवाही हुई। 5वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने किया, ओवर की 5वीं गेंद पर सूर्यकुमार यादव को जीवनदान मिला। इस बार साई किशोर ने मिड विकेट पर उनका कैच ड्रॉप कर दिया। सूर्यकुमार यादव ने गेंद को थोड़ा ऊपर की ओर से फ्लिक किया। उन्होंने गेंद को रिवर्स कप करने की कोशिश की। साइडलाइन के पास खड़े आशीष नेहरा निराश नजर आए।

मुंबई इंडियंस का पूर्व क्रिकेट दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस टीम का एक पूर्व क्रिकेटर रेप मामले में गिरफ्तार किया गया है। इस क्रिकेटर का नाम शिवालिक शर्मा है। उसकी एक दोस्त ने ही उसपर रेप का ये आरोप लगाया है। दोनों ने प्यार के बाद सगाई भी की थी पर लेकिन इसके बाद शिवालिक शर्मा पर धोखा देने का आरोप है। शिवालिक ने बड़ौदा की टीम में हार्दिक पांड्या और क्रुणाल पांड्या के साथ भी खेला है। उसने बड़ौदा के लिए घरेलू क्रिकेट में 50 से ज्यादा मुकाबले खेले हैं।

पुलिस के अनुसार एक युवती की ओर से दर्ज कराई रिपोर्ट के बाद पुलिस ने शिवालिक को गुजरात में वडोदरा के अटलादरा थाना क्षेत्र से शनिवार को गिरफ्तार किया और जोधपुर अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शिवालिक वडोदरा के रहने वाले हैं और मुंबई इंडियंस की टीम में आईपीएल 2024 के दौरान शामिल थे।

हालांकि, उनको एक भी मैच में खेलने का अवसर नहीं मिल पाया था। इस क्रिकेटर को तब 20 लाख रुपये में आईपीएल नीलामी में मुम्बई ने खरीदा था। रिपोर्ट में पीड़िता ने कहा है कि सोशल मीडिया के जरिए उसकी शिवालिक से दोस्ती हुई जो बाद में नजदीकियों में बदल गई।

इंग्लैंड टेस्ट के लिए टीम इंडिया की घोषणा इस दिन होगी, बीसीसीआई सचिव ने की पुष्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग धीरे-धीरे अपने आखिरी चरण की ओर बढ़ रहा है। वहीं दूसरी ओर बीसीसीआई और राष्ट्रीय चयन समिति की नजर 20 जून से 4 अगस्त तक चलने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम के चयन पर लगी है। टीम इंडिया का ऐलान अगले दो हफ्ते के अंदर हो जाएगा। इस बात की पुष्टि बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने एक मीडिया हाउस के साथ बातचीत में की है। सैकिया ने कहा है कि, भारतीय टीम का चयन अगले दो हफ्ते में किया जाएगा।

वहीं भारतीय ए टीम के खिलाड़ियों से जुड़े संसाधन और व्यवस्थान की तैयारी पहले से ही शुरू कर दी है। भारत ए टीम का दौरा टेस्ट सीरीज से पहले होगा और टीम इंग्लैंड दौरे में तीन चार दिन मैच खेलेगी। ए टीम इंग्लैंड के लिए इसी महीने की 25 तारीख को रवाना होगी।

वहीं जो खिलाड़ी आईपीएल में अपनी फ्रेंचाइजी के साथ व्यस्त रहेंगे, वह बाद में इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। वहीं टेस्ट टीम जून के पहले हफ्ते में इंग्लैंड जाएगी क्योंकि कुछ खिलाड़ी दूसरे चार दिन मैच खेलेंगे। ये दूसरा मैच भारत के खिलाड़ियों के बीच आपस में ही खेला जाएगा।

साथ ही कहा जा रहा है कि, कुछ सीनियर खिलाड़ी एख अनधिकृत टेस्ट में खेलना चाहते हैं, जिससे वह खुद को माहौल में ढाल सकें। लेकिन ये मैच खेलना इस बात पर भी निर्भर करेगा कि इन खिलाड़ियों की अलग-अग टीम का आईपीएल में सफर कहां तक रहता है। साथ ही, बीसीसीआई की मेडिकल टीम से भी उन्हें हरी झंडी लेनी होगी। वहीं जबकि इंग्लैंड दौरा काफी लंबा है तो बीसीसीआई भी चाहता है कि आईपीएल के बीत खिलाड़ियों को पर्याप्त आराम मिले।

स्मृति मंधाना को बल्लेबाजी रैंकिंग में नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी की ओर से मंगलवार को ताजा महिला वनडे रैंकिंग जारी की गई। इस रैंकिंग में श्रीलंका की हर्षिता समरविक्रमा और निलाक्षिका ने अहम छलांग लगाई है, जबकि स्मृति मंधाना को नुकसान हुआ है। अब वह बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे नंबर पर है।

श्रीलंका की मेजबानी में भारत और दक्षिण अफ्रीका संग वनडे ट्राई सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज में श्रीलंका ने तीन मैच में से दो में जीत दर्ज की। जिसमें हाल ही में भारत पर 7 साल बाद

तीन विकेट से जीत मिली। भारत पर मिली इस जीत में हर्षिता समरविक्रमा और निलाक्षिका ने बेहतरीन अर्द्धशतकीय पारी खेली, जिसकी बदौलत दोनों खिलाड़ियों ने महिला वनडे करियर की सबसे ऊंची रैंकिंग पर पहुंच गई है। समरविक्रमा नौ स्थान के सुधार के साथ 18वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि निलाक्षिका सिल्वा 18 स्थान की लंबी छलांग के साथ 25वें स्थान पर हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने दुनिया की अग्रणी एकदिवसीय बल्लेबाज के रूप में अपनी नंबर 1 रैंकिंग बरकरार रखी है। वोल्वार्ड्ट की टीम की साथी ताजमिन ब्रिट्स ने साउथ अफ्रीका के ट्राई सीरीज के पहले मैच में शतक की बदौलत 12 स्थान की छलांग लगाकर 40वां स्थान हासिल किया है, जबकि फॉर्म में चल रही भारतीय सलामी बल्लेबाजी प्रतीक रावल ने पांच स्थान के सुधार के साथ 42वां स्थान हासिल करते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है।

विराट-रोहित के खेलने पर गौतम गंभीर ने दिया दो टूक जवाब, पहलगाम हमले पर भी टीम इंडिया के हेड कोच का कड़ा मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इंग्लैंड दौरे पर विराट कोहली और रोहित शर्मा को मौका मिलेगा या नहीं, हेड कोच गौतम गंभीर ने अभी से ये साफ कर दिया है। इतना ही नहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने पहलगाम हमले पर भी बात की।

एबीपी न्यूज पर बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि रोहित शर्मा या विराट कोहली को टीम में लेना उनके बस में नहीं है। चयन समिति टीम का चुनाव करती है। बतौर कोच उनका काम सिर्फ बेस्ट प्लेइंग 11 तैयार करना होगा। गौतम गंभीर ने कहा कि, मान्याता बनाई हुई है कि कोच टीम तैयार करता है, इसे समाप्त किया जाना चाहिए। ना मुझसे पहले वाले कोच टीम सिलेक्शन करते थे और ना मैं करता हूं। इस सवाल का जवाब सिलेक्टर बेहतर तरीके से दे सकते हैं।

वहीं गंभीर ने आगे कहा कि, विराट कोहली और रोहित शर्मा अगर अपना बेस्ट दे पातें हैं तो उन्हें टीम इंडिया का हिस्सा बने रहना चाहिए। आप करियर की शुरुआत और अंत कब करते हैं, ये आपका पर्सनल डिसीजन होता है। कोच या चयनकर्ता आपको ये नहीं बता सकता कि आपका करियर कब खत्म होना चाहिए। अगर आप फिट हैं तो 40-45 की उम्र तक खेलते रहिए।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर भी गंभीर ने कहा कि भारत को किसी भी वेन्यू पर पाकिस्तान से क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए। टीम इंडिया के हेड कोच ने आगे कहा कि, मेरी व्यक्तिगत राय है नहीं, लेकिन ये भारत सरकार निर्धारित करेगी कि हमारी टीम को पाकिस्तान के साथ खेलना है या नहीं। कोई भी मैच या फिल्म हमारे लोगों से ज्यादा अहम नहीं हो सकती। हमारे जवानों की जान से ज्यादा अहम नहीं हो सकती।

गौतम गंभीर ने कहा कि, ये विराट कोहली और रोहित शर्मा का फैसला होगा।

सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल में रचा इतिहास, सचिन तेंदुलकर का ये पुराना रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 24 गेंदों में 35 रनों की पारी खेली, जिसमें पांच चौके शामिलहैं।

शानदार फॉर्म में चल रहे सूर्या भले ही फिफ्टी से चूक गए लेकिन उन्होंने एक धांसू कीर्तिमान रच डाला। उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है।

दरअसल, सूर्या आईपीएल के एक सीजन में

एमआई के लिए सबसे ज्यादा बार 500 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन गए हैं। वह मौजूदा सीजन में अब तक 12 मैचों में 510 रन बना चुके हैं। उन्होंने इससे पहले 2023 और 2018 में मुंबई के लिए 500 से ज्यादा रन जुटाए थे। वहीं सचिन ने 2010 और 2011 में एमआई के लिए 500 प्लस रन बनाए। क्विंटन डिकॉक ने भी मुंबई के लिए दो बार ये कारनामा किया। उन्होंने 2019 और 2022 2019 और 2020 में 500 से ज्यादा रन जोड़े थे।

मैच की बात करें तो मुंबई ने आठ विकेट पर 155 रन जोड़े। सूर्या ने विल जैक्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 71 रनों की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी लेकिन शुभमन गिल की बेहतरीन कप्तानी और गेंदबाजों के कमाल के प्रदर्शन से मुंबई लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही, जिससे रनगति पर ब्रेक लग गया। सूर्या 11वें ओवर में आउट हुए। जैक्स ने दो जीवनदान के दम पर अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने पांच चौके और तीन छक्के लगाए।

विराट कोहली ने कप्तानी छोड़ने और टीम इंडिया में एंट्री को लेकर खोले राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया और आरसीबी के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली ने आखिर कप्तानी क्यों छोड़ी थी? फिर वो टीम इंडिया की हो या आरसीबी की। इसका जवाब उन्होंने खुद ही दिया था। दरअसल, कोहली का कहना है कि उन्होंने कप्तानी खुश रहने के लिए छोड़ी थी। लगभग एक दशक तक भारत और आरसीबी की कप्तानी करने और उनकी बल्लेबाजी पर रखी जा रही कड़ी निगरानी के बाद विराट कोहली ने कप्तानी छोड़ दी। उन्होंने सोचा कि अब बहुत हो गया और जिंदगी में खुश रहने के लिए आखिर में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। कोहली ने 2021 में वर्ल्ड कप के बाद टी20 कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने आरसीबी की कप्तानी भी छोड़ दी। इसके एक साल बाद, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद उन्होंने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी। कोहली ने कहा कि वह अपने करियर में एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गए थे जहां लगातार ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो गया था। कोहली ने आरसीबी बोल्ड डायरीज पॉडकास्ट में कहा गया कि, एक समय ऐसा आया जबकि ये मेरे लिए बहुत मुश्किल हो गया था क्योंकि मेरे करियर में काफी कुछ घटित हो रहा था। मैं सात

आठ साल से भारत की कप्तानी कर रहा था। मैंने 9 साल तक आरसीबी की कप्तानी की। मैं जो भी मैच खेलता उसमें बल्लेबाजी में मुझसे काफी उम्मीद की जाती थी। उन्होंने कहा कि, मुझे इस बात का एहसास नहीं नहीं था कि मैं ध्यान केंद्रित करने के लिए संघर्ष कर रहा हूं। अगर कप्तानी में ऐसा नहीं होता तो बल्लेबाजी में ऐसा हो रहा था। मैं हर समय इसके बारे में सोचता था। ये मेरे लिए काफी मुश्किल हो गया था और आखिर में ये मुझ पर बहुत ज्यादा हावी हो गया था।

साथ ही कोहली ने 2022 में क्रिकेट एक महीने का ब्रेक लिया था और उस दौरान बल्ला नहीं छुआ था। उन्होंने कहा कि उनके जीवन में एक समय ऐसा भी आया था जबकि वह सार्वजनिक जीवन में खुश रहने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि, इसलिए मैंने कप्तानी छोड़ दी क्योंकि मुझे लगा अगर मुझे इस खेल में बने रहना है तो उसके लिए मेरा खुश रहना जरूरी है।

कोहली ने कहा कि, मुझे अपने जीवन में एक ऐसी जगह की जरूरत थी जहां मैं सहज होकर रह सकूं और अपना क्रिकेट खेल संकू। बिना किसी आलोचना के, बिना ये देखे कि आप इस सत्र में क्या करने जा रहे हैं और आगे क्या होने वाला है।

विराट कोहली ने कहा कि, मैं अपनी क्षमता को लेकर बहुत यथार्थवादी था क्योंकि मैंने कई अन्य लोगों को खेलते हुए देखा था। मुझे ऐसा नहीं लगा कि मेरा खेल कहीं भी उनके करीब था। मेरे पास केवल दृढ़ संकल्प था। अगर मैं अपनी टीम को जीत दिलाना चाहता था, तो मैं कुछ भी करने को तैयार था।

उन्होंने कहा कि, यही कारण था कि मुझे शुरुआत में भारत के लिए खेलने का मौका मिला। गैरी और एमएस ने मुझे ये स्पष्ट कर दिया कि तीसरे नंबर पर मेरी जगह पक्की है।

डीसी के खिलाफ मैच धुलने से नाराज है सनराइजर्स हैदराबाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच धुलने के बाद हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम सवालों के घेरे में है। आईपीएल प्लेऑफ से पहले वेन्यू की तैयारी को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। 20 और 21 मई को क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर का आयोजन यहीं होना है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन का दावा है कि 90 प्रतिशत मैदान ढका हुआ था, लेकिन फिर भी मैच नहीं हो सका। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार एचसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि, हम इस मुद्दे पर विचार करेंगे। ग्राउंड स्टाफ के एक सदस्य का मानना है मूसलाधार बारिश और स्पष्ट मौसम पूर्वानुमान की कमी को देखते हुए वे कुछ खास नहीं कर

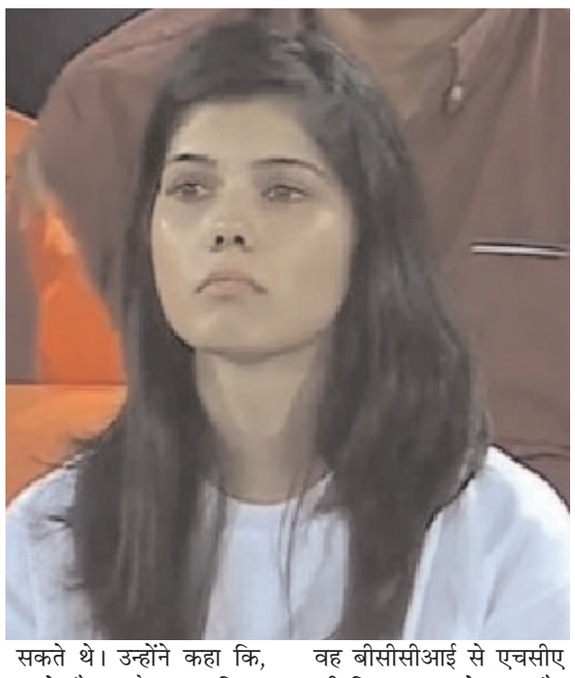

सकते थे। उन्होंने कहा कि, हमने मैदान के 90 प्रतिशत हिस्से को कवर किया था. मैच धुलने से प्लेऑफ की रेस से बाहर होने के बाद एचसीए से सनराइजर्स हैदराबाद खफा है। वह बीसीसीआई से एचसीए की शिकायत करने वाला है। क्रिकबज से एसआरएच के वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि, ये दुखद है। हम बीसीसीआई को पत्र लिखने जा रहे हैं। वे इस दावे पर भी सवाल उठा सकते हैं कि 90 प्रतिशत मैदान को कवर कर लिया गया था। सनराइजर्स हैदराबाद प्रबंधन और एचसीए के बीच पहले ही कुछ विवाद हो चुके हैं। एसोसिएशन को प्रति मैच 1 करोड़ रुपये का भुगतान करने वाली फ्रेंचाइजी का मानना है कि वह सोमवार को मैच जीतने के लिए मजबूत स्थिति में थी। वहीं एचसीए सचिव पी देवराज ने माना कि मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण एसोसिएशन कुछ नहीं कर पाया, लेकिन उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को सुलझने की कोशिश करेंगे। उन्होंने क्रिकबज से कहा कि, हमने पहले कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया है। मैं सहमत हूं कि कवर अपर्याप्त थे और हम इस मुद्दे को तुरंत सुलझाएंगे। हम प्लेऑफ से पहले इस समस्या को सुलझाएंगे।

सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक की शिकायतें तत्काल करें निराकरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें। इसमें 50 दिन से अधिक समय से लंबित आवेदनों का तत्काल निराकरण करायें। समाधान आनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करें। अभी भी लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग, नगरीय निकाय, श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। अधीक्षण यंत्री विद्युत मंडल बिजली बिलों के सुधार तथा बिजली आपूर्ति से संबंधित सभी आवेदनों का तीन दिवस में निराकरण करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि फसलों की कटाई के बाद खेत खाली हैं। एसडीएम और तहसीलदार टीम बनाकर सीमांकन के लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज सीमांकन के सभी प्रकरण 7 दिवस में निराकृत करें। पटवारी तथा राजस्व निरीक्षक का दल बनाकर उन्हें सीमांकन का दैनिक लक्ष्य निर्धारित करें। सीमांकन होने के बाद पोर्टल पर जानकारी दर्ज कर लंबित आवेदनों का निराकरण करें। समग्र पोर्टल में ईकेवाइसी अपडेशन की प्रगति संतोषजनक नहीं है। इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर अपर कलेक्टर समुचित कार्यवाही करें। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों का ईकेवाईसी अपडेशन अभी केवल 80 प्रतिशत हुआ है। शेष बचे हितग्राहियों का 15 मई से पहले ईकेवाईसी अपडेट कराने के साथ विषमता परिवार, मृत सदस्यों तथा स्थाई रूप से पलायन करने वालों का नाम पोर्टल से पृथक करें।

कलेक्टर ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड में निर्धारित सभी बिन्दुओं पर संबंधित अधिकारी तत्परता से कार्यवाही करें। उप संचालक कृषि द्वारा पंचनामें के साथ नरवाई की घटनाओं की रिपोर्ट दी गयी है। सेटेलाइट से प्राप्त इस रिपोर्ट के आधार पर नरवाई जलाने वालों पर एसडीएम और तहसीलदार दो दिवस में जुर्माने की कार्यवाही करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जल संरक्षण के कार्यों की प्रशासकीय तथा तकनीकी स्वीकृत जारी कराके खेत तालाब और अमृत सरोबरों का निर्माण शुरू करायें। वाटर हार्वेधस्टग और हैण्डपंप तथा कुंओं में रिचार्ज पिट बनाने का भी अभियान चलाये। भारत सरकार द्वारा देश को क्षय रोग से मुक्त बनाने के लिए क्षय नियंत्रण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत क्षय रोग से पीड़ित रोगी को स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आमजनों के सहयोग से निर्धारित सहयोग राशि लेकर 6 माह तक अतिरिक्त पोषण आहार दिया जाता है। सभी अधिकारी निक्षयमित्र बनकर कम से कम एक क्षय रोगी को पोषण आहार बास्केट देने में सहयोग करें। बैठक में कलेक्टर ने सड़क तथा नाली निर्माण के लिए पेयजल जल की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त करने पर नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्काल पेयजल पाइप लाइन में सुधार कराकर पेयजल की आपूर्ति बहाल करने के निर्देश दिये। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले सभी एसडीएम जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सतना में जश्न, पटाखे फोड़े

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बुधवार को सतना में जश्न का माहौल रहा। दोपहर में भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में तिरंगा लहराया गया और आतिशबाजी कर जश्न मनाया गया। इस मौके पर राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, मेयर योगेश ताम्रकार और भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती पांडेय मौजूद रहे। इस के दौरान कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए।

सांसद गणेश सिंह ने भारतीय सेना की शौर्यता को सलाम करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प पूरा हुआ है। वहीं, मेयर योगेश ताम्रकार ने कहा कि आज सभी भारतीयों को गर्व है। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकियों के पूरी तरह समाप्त होने तक यह ऑपरेशन जारी रहेगा। शाम को हिन्दू पर्व समन्वय समिति ने कृष्ण नगर चौराहे पर बंदेमातरम गाकर जश्न मनाया। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यकर्ताओं ने नेह निकुंज बम्हनगवां रीवा रोड स्थित कार्यालय में मिठाई बांटकर खुशी मनाई।

अपनों की प्रताड़ना से तंग आकर छात्रा ने उठाया आत्मघाती क़दम

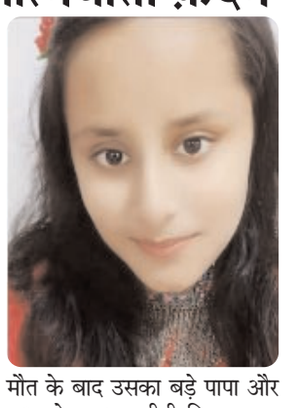

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में एक लड़की जो डॉक्टर बनना चाहती थी, लेकिन अपनों की प्रताड़ना से तंग आकर उसने मौत को गले लगा लिया। छात्र ने आत्मघाती क़दम उठाने से पहले अपनी दोस्त को ऑडियो मैसेज किया जिसमें उसने अपनी मौत की दस्तां बयां की है,दरअसल ये घटना बिछिया थाना क्षेत्र के चिरहुला कॉलोनी के एम आईजी क्वाटर की है जहां गौरी शुक्ल की फांसी के फंदे में झूलने से मौत हो गई। बताया गया है कि गौरी के पिता की मौत कोरोना काल में हो गई थी। वो अपनी माँ और बड़ी बहन के साथ रहती थी। गौरी की बड़ी बहन के मुताबिक पिता की मौत के बाद उसका बड़े पापा और बुआ के साथ ज़मीनी विवाद चल रहा था। जिसके चलते उनके द्वारा लगातार उनके परिवार को प्रताड़ित किया जा रहा था।

रीवा ज़िले की पुलिस ने 190 लोगों के लौटाए मोबाइल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा पुलिस ने ज़िले के 190 लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है। दरअसल इन लोगों के मोबाइल खो गए थे या चोरी हो गए थे, जिन्हे तलाश कर पुलिस ने उन्हें वापस कर दिया हैं। बताया गया कि मोबाइल गुमने सहित साइबर अपराधों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बाद संभागीय साइबर सेल ने हर थानों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया था। पुलिस द्वारा ऑपरेशन रिंगटोन चलाया गया। जिसके तहत लगातार साइबर अपराधों में प्रयोग आने वाले मोबाइल और गुमने वाले मोबाइल फोनों को थाने और साइबर एक्सपर्ट द्वारा ट्रेस किया जाने लगा। जिसके चलते शहर के विश्वविद्यालय, बिछिया, अमहिया, कोतवाली और चोरहटा थाना सहित ग्रामीण क्षेत्रों के थाना क्षेत्रों में गुमे हुए मोबाइल को ट्रेस कर उन्हें बरामद किया गया। जिसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित कर्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल और आरती सिंह व साइबर सेल प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने मोबाइल, मालिकों को वापस लौटा दिया।

अमहिया मोहल्ले में फंदे पर लटकता मिला महिला का शव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के अमहिया मोहल्ले में किराये के घर में रहने वाली महिला का शव फंदे पर लटकता हुआ मिला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का मुआयना कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। साथ ही मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। वहीं महिला के मायके पक्ष के लोगों ने पति पर महिला की हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतका आरती साकेत के पति विजय साकेत ने बताया कि वो गोविंदगढ़ का निवासी है और यहां किराये के मकान में रहता है। मेहनत-मजदूरी कर वो अपना घर चलता है। बीती रात वो करीब 12 बजे काम से घर आया। उसके बाद पत्नी के साथ खाना खाया और दोनों सो गए। रात में जब उसकी नींद खुली तो देखा कि आरती फांसी के फंदे पर लटक रही थी। जिसके बाद इसकी सूचना पड़ोस में रहने वाली उसकी बहन को दी। बहन काजल साकेत ने पति पर नशे में आये दिन मारपीट और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि पति ने हत्या कर फंदे में लटका दिया है।

नहीं थम रहा नशे का कारोबार, खेत और खाली मैदानों में मिल रही नशे की शीशियां

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में नशे का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। नशीली कफ सिरप की बढ़ती बिक्री और इसके चलते बिगड़ते हालात एक बार फिर चर्चा में है। दरअसल सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर प्रभा पटेल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे अपने खेत में पड़ी कोरेक्स की खाली बोतलों को दिखाते हुए नाराज़गी ज़ाहिर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उनका खेत नशीली सिरप की शीशियां उगल रहा है। प्रभा ने बताया कि उनके खेत से रोज़ सैकड़ों नशीली सिरप की शीशियां निकल रही हैं। उन्होंने प्रशासन से इस पर तुरंत कार्रवाई की गुहार लगाई है। कुछ ऐसा ही नज़ारा रायपुर कर्चुलियान में सीतापुर मोड़ पर भी है। इस तिराहे पर शराब की दुकान है, जिसके पीछे खाली पड़ा खेत शराब की बोतलों, नशीली सिरप की शीशियों और डिस्पोज़ल ग्लास से पटा पड़ा है। आलम ये है कि शाम ढलते ही यहां शराबियों का जमावड़ा लगता है। पूरे खेत में लोगों को घेरा बनाकर नशाखोरी करते देखा जा सकता है। वहीं इस मामले में एडिशनल एसपी आरती सिंह ने मामले को संज्ञान में लेते हुए कहा कि मेडिकल नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध कोरेक्स की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

दो बच्चों की मां ने प्रेमी पर लगाया धोखाधड़ी और ब्लैकमेलिंग का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में सोशल मीडिया से शुरू हुए एक प्रेम प्रकरण ने नया मोड़ ले लिया है। पहले प्रेमी के साथ फरार हुई दो बच्चों की मां ने अब उसी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि शादी का झांसा देकर युवक ने उसके अश्लील वीडियो बनाए और अब उन्हें वायरल करने की धमकी दे रहा है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। बतादें कि 29 मार्च को अंकुर तिवारी और महिला अपने-अपने घरों से अचानक लापता हो गए थे। दोनों के परिवारों ने अलग-अलग थानों में गुमशुदगी की शिकातय दर्ज कराई थी। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर दोनों को एक साथ ढूंढ निकाला, जहां उन्होंने सहमति से साथ रहने की बात कही थी। वहीं अब महिला का आरोप है कि अंकुर ने उसके अश्लील वीडियो बना लिए हैं और उससे पैसों की भी मांग कर रहा है। महिला ने पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की है। सी एसपी शिवाली चतुर्वेदी ने बताया कि दोनों बालिग़ हैं और पहले मर्ज़ी से साथ रहने की बात कह चुके थे। अब नए आरोपों की जांच की जा रही है।

वेतन मांगने पर होटल संचालक ने कर्मचारी को निकाला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में 10 वर्षों से काम करने वाला कर्मचारी अपने ही संस्थान से बेइज्ज़त कर निकाल दिया गया। कर्मचारी का कसूर बस इतना था कि वो अपने बीमार बच्चों का इलाज कराने के लिए सैलरी की मांग कर रहा था। इस बात से नाराज़ होटल प्रबंधक ने उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया। जिसके बाद पीड़ित ने अपनी मेहनत की मज़दूरी पाने के लिए पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। पीड़ित कर्मचारी ने अमहिया थाना सहित श्रम विभाग में शिकायत की है। खौर गांव के निवासी फरियादी प्रमोद कुमार दुबे ने बताया कि जब वो अपना वेतन लेने गया तो होटल संचालक द्वारा उससे अभद्रता की गई।

आतंकवाद पर करारा प्रहार - "ऑपरेशन सिंदूर"

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रधानमंत्री मोदी का व्यक्त किया आभार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ "ऑपरेशन सिंदूर" के तहत निर्णायक और योजनाबद्ध कार्रवाई की गई है, उससे पूरे देश में खुशी की लहर है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने "ऑपरेशन सिंदूर" के तहत की गई कार्यवाही पर मीडिया से विचार साझा करते हुए कहा कि देश की जनता को भरोसा था कि मोदी जी पहलगाम में हुए उस कायराना हमले का, जिसमें हमारी बहनों और माताओं के सिंदूर को उजाड़ने का कुत्सित प्रयास किया गया था, ठोस और निर्णायक जवाब जरूर देंगे। आज पूरा देश देख रहा है कि किस प्रकार आतंक के बड़े अड्डों को ध्वस्त कर आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री मोदी के को इस दृढ़ और साहसी नेतृत्व के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर समस्त देशवासी एकजुट हों। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि हम सभी एक स्वर में राष्ट्रहित में खड़े हों और सरकार का समर्थन करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि "ऑपरेशन सिंदूर" के सफल संचालन से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत अब किसी भी आतंकी हमले को सहन नहीं करेगा और हर हमले का जवाब दुगुनी ताकत से देगा।

सतना में सीएम हेल्पलाइन पर झूठी शिकायत करना पड़ा महंगा

बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने युवक को कान पकड़कर उठक-बैठक कराई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में सीएम हेल्पलाइन पर झूठी शिकायत करना एक युवक को महंगा पड़ गया। बिजली विभाग की जांच में पाया गया कि शिकायतकर्ता अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहा था। इस पर जेई ने न केवल उसके खिलाफ धारा 135 का प्रकरण दर्ज किया, बल्कि कान पकड़कर उठक-बैठक भी करवाई, जिसका वीडियो बुधवार को सामने आया है। विद्युत वितरण केंद्र कोटर के अंतर्गत ग्राम निमहा निवासी प्रिंस यादव ने सीएम हेल्पलाइन पर बिजली न मिलने की शिकायत की थी। बिजली विभाग के अधिकारियों ने फोन पर समाधान का आश्वासन देकर शिकायत वापस लेने को कहा, लेकिन युवक ने शिकायत बंद नहीं कराई।

इसके बाद मामला एल-2 स्तर पर पहुंचने पर मंगलवार को टीम मौके पर गई, जहां पाया गया कि शिकायतकर्ता के पास न तो कनेक्शन है और न ही बिल, जबकि वह बोर और मोटर पंप चला रहा था।

इसके बाद बिजली का अवैध उपयोग पाए जाने पर कर्मचारियों ने उसे डाट फटकार लगाई और इसके बाद पांच बार कान पड़कर उठक-बैठक करने को कहा। इस दौरान किसी ने घटना का वीडियो बना लिया, जो बुधवार को सामने आया है।मामले में जेई आरके तिवारी ने बताया कि युवक प्रिंस यादव के खिलाफ बिजली का अवैध उपयोग करने पर धारा 135 का प्रकरण दर्ज किया गया है। उसे कनेक्शन लेने की हिदायत दी गई है। उठक-बैठक के संबंध में जेई ने बताया कि युवक ने स्वयं अपनी गलती का एहसास कर यह कार्य किया, इससे विभाग का कोई लेना-देना नहीं है।

जेल से छूटे अपराधी ने मनाया जन्मदिन, सड़क पर केक काटकर हवाई फायरिंग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में 3 मई(शनिवार) को आदतन अपराधी बाबू परिहार ने जेल से रिहा होने के बाद बीच सड़क में केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। इस दौरान उसने हवाई फायर भी किया। जिसका वीडियो मंगलवार रात सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस वीडियो के आधार पर बाबू परिहार और उसके साथियों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार 3 मई को कोलगवां थाना क्षेत्र की नई बस्ती में बाबू परिहार ने अपने दोस्तों के साथ सड़क पर केक काटकर जश्न मनाया। इस दौरान उसने कई राउंड हवाई फायरिंग की। फायरिंग के समय वह खुद भी बाल-बाल बचा। बाबू परिहार के खिलाफ शहर के सभी थानों में कई अपराध दर्ज हैं। वह हाल ही में जमानत पर जेल से बाहर आया है। स्थानीय लोगों की सूचना पर कोलगवां थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

तीन साल बाद शराब तस्कर गिरफ्तार, जब्त की थी 3.50 लाख की अवैध शराब

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आबकारी विभाग ने तीन साल से फरार चल रहे शराब तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी विक्की उर्फ राहुल सिंह (34) आदर्श नगर-हवाई पट्टी का रहने वाला है। मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को उसे पकड़ा गया।

यह मामला जनवरी 2022 का है। तब आबकारी टीम ने भैंसाखाना के पास छापेमारी कर 892 पेटी शराब जब्त की थी। जब्त शराब की कीमत 3 लाख 50 हजार रुपए थी। शराब के वैध दस्तावेज नहीं मिले थे। इस मामले में एक अन्य आरोपी नरेश जायसवाल पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। आरोपी विक्की के खिलाफ कोर्ट से बेमियादी वारंट जारी था। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। आबकारी उपनिरीक्षक नीलेश गुप्ता के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। मामले में आबकारी अधिनियम के तहत जांच जारी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।